सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" तमाम खिलौने मौजूद हैं बाज़ार में...
पर कुछ लोग, सिर्फ जज़्बातों से खेलने के शौकीन होते हैं....!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-195 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 03 अगस्त 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2

बीएकेएस की मांग : वित्त मंत्रालय की तर्ज पर इस्पात मंत्रालय भी करे तिमाही बैठक का आदेश

SAIL प्रबंधन पर आरोप - यूनियनों से बातचीत बंद, सिर्फ अधिकारी कल्याण पर फोकस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध बीएकेएस यूनियन ने केंद्र सरकार के नए श्रम कानूनों के तहत इस्पात मंत्रालय से मांग की है कि वह भी वित्त मंत्रालय की तरह रअक्छ प्रबंधन को हर तीन महीने में यूनियनों के साथ बैठक करने का निर्देश जारी करे।

क्या है मांग

बीएकेएस के कार्यकारी अध्यक्ष रणधीर कुमार ने इस्पात सचिव, श्रम सचिव और मुख्य श्रमायुक्त को पत्र लिखकर कहा कि भारत सरकार ने 08 मई 2026 को औद्योगिक संबंध संहिता 2026 अधिसूचित कर दी है। इसके तहत सभी प्रतिष्ठानों को 3 माह में एक बार कर्मचारियों और यूनियनों से बैठक करनी अनिवार्य है।

इसी के आलोक में वित्त मंत्रालय ने 10 जुलाई 2026 को सभी सरकारी बैंकों को निर्देश दिया है कि वे मान्यता प्राप्त सभी यूनियनों के साथ तिमाही बैठक करें और अल्पसंख्यक यूनियनों के लिए अलग से एक दिन निर्धारित करें। बैंक 5 अगस्त 2026 तक संशोधित कैलेंडर और तिमाही अनुपालन रिपोर्ट भी भेजेंगे। बीएकेएस ने मांग की है कि इस्पात मंत्रालय भी SAIL और उसकी सभी यूनिटों के लिए ऐसा ही आदेश जारी करे।

बीएकेएस की 3 प्रमुख मांगें

1. सीक्रेट बैलेट से चुनाव: SAIL की प्रत्येक यूनिट में श्रम कानूनों के अनुसार मान्यता प्राप्त यूनियन के चयन हेतु चुनाव कराया जाए।

2. तिमाही IR बैठक: सभी मान्यता प्राप्त यूनियनों/एसोसिएशनों के साथ हर 3 महीने में कम से कम 1 बैठक हो। इसके लिए सालाना कैलेंडर जारी किया जाए।

3. अल्पसंख्यक यूनियनों के लिए अलग दिन: बहुमत वाली यूनियनों के अलावा अल्पसंख्यक यूनियनों के साथ भी तिमाही में एक संयुक्त बैठक तय हो। इसका अनुपालन रिपोर्ट इस्पात मंत्रालय को सौंपी जाए।

बीएकेएस का आरोप

रणधीर कुमार ने कहा कि SAIL प्रबंधन के HR विभाग ने "अघोषित नीति" बना रखी है। न यूनियनों से बैठक, न वार्ता, न फोन उठाना, न मांग पत्र पर कार्रवाई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन सिर्फ अधिकारी कल्याण पर ध्यान दे रहा है - पे रिवीजन, PRP, मोबाइल, इंटरनेट, फर्नीचर एडवांस, लैपटॉप एडवांस, हाउस परक्यूजिट जैसी सुविधाओं में भेदभाव हो रहा है।

बीएकेएस का कहना है कि नए श्रम कानून लागू होने के बाद अब सभी यूनियनों को बातचीत का समान मंच मिलना चाहिए ताकि औद्योगिक संबंधों में सामंजस्य बना रहे और मुद्दों का समय पर समाधान हो।

डोंगरगढ़-कटघोरा रेल लाइन को फिर मिली स्वीकृति, भाजपा नेताओं की देन : अशोक चौधरी

राजनांदगांव में 10500 करोड़ की यूरिया फैक्ट्री की पहल पर CM को बधाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

डोंगरगढ़ से कटघोरा तक नई रेल लाइन के कार्य को पुनः स्वीकृति मिलने पर भाजपा नेता अशोक चौधरी ने कांग्रेस नेताओं पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को भाजपा सरकार और सांसदों के प्रयासों से ही मंजूरी मिली है।

रेल लाइन की पूरी कहानी : अशोक चौधरी ने कहा कि इस रेल लाइन की स्वीकृति के लिए सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से रेल मंत्रालय को 2000 करोड़ देने का प्रस्ताव पास किया था। उस समय सांसद अभिषेक सिंह थे। बाद में कांग्रेस सरकार ने इस प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

अब सांसद संतोष पांडे ने रेल मंत्रालय में लगातार प्रयास कर इसे फिर से स्वीकृत कराया है। हाल ही में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू और सांसद संतोष पांडे की बैठक में बढ़ी हुई राशि के साथ इस कार्य को हरी झंडी मिली। उन्होंने कहा कि "यह पूरा कार्य भाजपा नेताओं की देन है। इसमें कांग्रेस को कुछ भी कहने का हक नहीं है।"

राजनांदगांव में बनेगी यूरिया फैक्ट्री : राजनांदगांव के लिए एक और बड़ी उपलब्धि की जानकारी देते हुए चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री से 10,500 करोड़ की लागत वाली राष्ट्रीय स्तर की यूरिया फैक्ट्री राजनांदगांव में लगाने का निवेदन किया है। यह फैक्ट्री राजनांदगांव के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि विकास की सोच भाजपा की शासन प्रणाली में है, तभी भारत आज विश्व मानचित्र पर विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने रेल लाइन और यूरिया फैक्ट्री के लिए पूर्व सांसद, वर्तमान सांसद, पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान मुख्यमंत्री को बधाई दी।

ईडी की बड़ी कार्रवाई : भारतमाला मुआवजा घोटाले में 12.78 करोड़ की संपत्ति अटैच

जय प्रकाश गांधी सहित 14 लोगों के खिलाफ दायर की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रायपुर जोन ने भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने 12.78 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की है, जिसमें 4.69 करोड़ के शेयर और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स भी शामिल हैं।

चार्जशीट भी दायर

ईडी ने जय प्रकाश गांधी और 13 अन्य के खिलाफ विशेष पीएमएलए कोर्ट में सप्लीमेंट्री प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट दायर की है। यह मामला EOW/ACB की FIR के आधार पर दर्ज किया गया था। अभनपुर के तत्कालीन SDO निर्भय साहू और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज होने के बाद विशेष न्यायालय में चार्जशीट पेश की गई थी।

अब तक 36.14 करोड़ की संपत्ति अटैच

एऊने इससे पहले 29 दिसंबर 2025 और 27 अप्रैल 2026 को छापेमारी की थी। तब 49 लाख नकद और 89.80 लाख की 37 किलो 133 ग्राम चांदी जब्त की गई थी। साथ ही जमीन दलालों के सिंडिकेट की 23.35 करोड़ की संपत्ति अस्थायी रूप से अटैच की थी।

नई कार्रवाई के बाद इस घोटाले में कुल अटैच संपत्ति का आंकड़ा 36.14 करोड़ पहुंच गया है।

खुलासा :-

- जय प्रकाश गांधी और उनके परिवार को 56.76 लाख की जमीन के बदले 9.83 करोड़ का मुआवजा मिला। इस काली कमाई को शेयर, म्यूचुअल फंड और चल-अचल संपत्तियों में निवेश किया गया।
- गांव नायकबंधा में अलग-अलग खसरा नंबरों की जमीन पर इसी तरह अन्य मालिकों को भी ज्यादा मुआवजा मिला।
- उमा तिवारी ने दिवंगत जमीन मालिक की "गोद ली हुई बेटी" बताकर फर्जी राजस्व रिकॉर्ड से गांव उगेतारा की जमीन के लिए 2.13 करोड़ का मुआवजा हड़पा।

कैसे हुआ घोटाला

जांच में पता चला कि भारतमाला परियोजना का नोटिफिकेशन जारी होने के बाद जमीन दलालों, जमीन मालिकों और राजस्व अधिकारियों ने मिलीभगत कर जमीन खरीदी। ज्यादा मुआवजा लेने के लिए जमीन को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर परिवार के सदस्यों के नाम सेल डीड और गिफ्ट डीड कर दी गई।

ईडी का कहना है कि अवैध कमाई को कई चरणों में घुमाकर वैध बनाने की कोशिश की गई। मामले की जांच जारी है।

4.39 करोड़ लेकर सिर्फ 7 एकड़ की रजिस्ट्री, कांग्रेस नेत्री रीता सिंह सहित 3 पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

न्यायालय के आदेश पर उतई पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

25 एकड़ कृषि भूमि और गिट्टी खदान का सौदा 4.50 करोड़ में तय कर 4.39 करोड़ लेने के बाद भी पूरी जमीन की रजिस्ट्री न करने के आरोप में भिलाई नगर निगम की टकउ सदस्य और कांग्रेस नेत्री रीता सिंह सहित उनके पति और बेटे के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ है।

क्या है मामला: पाटन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शीतल निकुंज की कोर्ट के आदेश पर उतई पुलिस ने रीता सिंह, पति रमेश चंद्र सिंह और बेटे मानवचंद सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कोर्ट ने 15 दिन के भीतर पालन प्रतिवेदन पेश करने का निर्देश दिया है। रायपुर निवासी बीपी सिंह ने अधिवक्ता तुलसीराम देवांगन के माध्यम से निजी परिवाद दायर किया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने प्रथम दृष्टया अपराध मानते हुए केस दर्ज करने के आदेश दिए।

जमीन सौदे का पूरा हिसाब : परिवादी के अनुसार वर्ष 2024 में पाटन के छांटा स्थित गिट्टी खदान और उससे लगी 25 एकड़ जमीन का सौदा 4.50 करोड़ में तय हुआ था। सौदे में 1 चैन मशीन और 2 हाइवा भी शामिल थे। इस 25 एकड़ में 13 एकड़ आरोपियों के नाम, 7 एकड़ दान भूमि और 5 एकड़ सरकारी लीज की जमीन थी। बीपी सिंह ने आरोप लगाया कि उन्होंने चेक के माध्यम से 4.39 करोड़ का भुगतान किया। इसमें 2.90 करोड़ मानवचंद सिंह, 1 करोड़ रीता सिंह और शेष राशि रमेशचंद सिंह के खाते में गई। लेकिन भुगतान के बाद केवल 7 एकड़ जमीन की ही रजिस्ट्री कराई गई। न पूरी जमीन का नामांतरण हुआ और न ही सौदे की अन्य शर्तें पूरी की गईं।

फर्जी दस्तावेज का आरोप : परिवादी का कहना है कि जांच में पता चला कि जमीन बेचने का दावा करने वाले लोग वास्तविक भू-स्वामी नहीं थे। आरोप है कि आरोपियों ने आपसी साजिश कर फर्जी इकरारनामा तैयार किया। दस्तावेजों में असली मालिकों की जगह अन्य लोगों के हस्ताक्षर कराए गए और गलत जानकारी देकर सौदा किया गया। इन्हीं तथ्यों के आधार पर कोर्ट ने तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज करने का आदेश दिया।

मोबाइल की डांट से नाराज 9वीं की छात्रा ने लगाई फांसी

नई दृष्टिबिंदु / बोड़ला

मोबाइल की लत और एक पल के गुस्से ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। बोड़ला में मोबाइल चलाने से मना करने पर 9वीं कक्षा की छात्रा प्रगति मरकाम ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका प्रगति मरकाम, उम्र 14 वर्ष, कक्षा 9वीं की छात्रा थी। उसके पिता राजेश मरकाम और माता बोड़ला स्थित शासकीय छात्रावास में रसोइया का काम करते हैं। परिवार बोड़ला में किराए के मकान में रहता है। पुलिस के अनुसार घटना वाले दिन प्रगति लगातार मोबाइल चला रही थी। पिता ने उसे पढ़ाई पर ध्यान देने और मोबाइल कम चलाने की हिदायत देते हुए डांटा। इससे नाराज होकर बच्ची ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और फांसी लगा ली।

परिजनों को जब कुछ देर तक कोई आवाज नहीं आई तो उन्होंने दरवाजा तोड़ा। प्रगति को फंदे से उतारकर तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। यह घटना बच्चों में मोबाइल की लत और छोटी बातों पर आक्रोश में आकर उग्र कदम उठाने की प्रवृत्ति को लेकर चिंता बढ़ा रही है।

गणेश उत्सव की धार्मिक गरिमा बरकरार रखने हिन्दू युवा मंच ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

AI, कार्टून और फिल्मी स्वरूप की प्रतिमाओं पर रोक लगाने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

आगामी गणेश उत्सव को शास्त्रसम्मत और पारंपरिक तरीके से मनाने की मांग को लेकर हिन्दू युवा मंच, दुर्ग ने सोमवार को जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने प्रशासन से जिले में भगवान श्री गणेश की केवल शास्त्रसम्मत प्रतिमाओं के निर्माण, विक्रय और स्थापना सुनिश्चित करने के निर्देश जारी करने की मांग की।

चार प्रमुख मांगें

हिन्दू युवा मंच ने ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में कुछ स्थानों पर अक-निर्मित, कार्टून, फिल्मी और विकृत स्वरूप की गणेश प्रतिमाएं बनाई और स्थापित की जा रही हैं, जिससे करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

यह ज्ञापन मंच के प्रदेश संयोजक गोविंद राज नायडू, महामंत्री राजेश शर्मा और अध्यक्ष कुमार नायर के निर्देश पर कार्यक्रम प्रभारी राजा देवांगन के नेतृत्व में सौंपा गया। इस अवसर पर अजय ठाकुर, वीरेंद्र सिंह राजपूत, अमित पुरोहित, अमिताभ वर्मा, आशुतोष तिवारी, अरुण अग्रवाल, अंकित दुबे, गजेंद्र साहू, जय देवांगन, दीपक चंद्राकर, धर्मेंद्र वर्मा, निखिल शर्मा, पंकज भारती, बलवंत सिंह राजपूत, भूपेंद्र वर्मा, राज गुप्ता, राहुल जैन, सुरेंद्र राजपूत, संजय सिंह सेंगर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जानकारी मंच के संपर्क प्रमुख प्रिंस तिवारी ने दी।

संगठन ने प्रशासन से निम्न मांगें रखीं:

1. अक, कार्टून व फिल्मी स्वरूप की गणेश प्रतिमाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए और उल्लंघन करने वाले मूतिर्कारों, व्यक्तियों या समितियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाए।
2. जिले के सभी मूतिर्कारों और गणेश उत्सव समितियों को केवल शास्त्रसम्मत एवं पारंपरिक प्रतिमाओं के निर्माण-स्थापना के निर्देश दिए जाएं।
3. प्रतिमा विसर्जन शास्त्रसम्मत शुभ मुहूर्त में यथासंभव दिन के समय कराया जाए।
4. गणेश जी के स्वागत और विसर्जन के दौरान केवल भक्ति, शास्त्रसम्मत और राष्ट्रभक्ति के गीतों के प्रसारण की अनुमति दी जाए। अश्लील, अभद्र और बॉलीवुड गीतों पर रोक लगाई जाए।

बिहार : बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव - 5 राउंड बाद प्रशांत किशोर 2,319 वोटों से आगे

नई दृष्टिबिंदु / पटना

बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव की मतगणना में शुरुआती रुझानों में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर बढ़त बनाए हुए हैं। 5 राउंड पूरे होने के बाद वे 2,319 वोटों से आगे चल रहे हैं। चुनाव आयोग के अनुसार कुल 31 राउंड की गिनती होनी है, अभी 26 राउंड बाकी हैं।

पार्टीवार स्थिति:
- पहले स्थान पर: जन सुराज - प्रशांत किशोर
- दूसरे स्थान पर: भारतीय जनता पार्टी
- तीसरे स्थान पर: आरजेडी

सीट का महत्व :
बांकीपुर सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा सांसद बनने के बाद खाली हुई थी। इस सीट पर भाजपा 1990 के दशक से लगातार काबिज रही है। प्रशांत किशोर ने इसे सम्राट चौधरी सरकार पर जनमत संग्रह बताया था। उन्होंने कहा था कि "अगर हम जीतते हैं तो सरकार को संदेश मिल जाएगा"। जन सुराज ने 2025 के विधानसभा चुनाव में 238 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। प्रशांत किशोर का यह पहला चुनावी मुकाबला है। मतगणना जारी है। अंतिम परिणाम आने पर अपडेट किया जाएगा। यह रुझान 5वें राउंड के बाद के हैं। अंतिम नतीजे सभी 31 राउंड की गिनती के बाद ही स्पष्ट होंगे।

18 वर्ष पूर्ण कर चुकी स्कूली छात्राओं को महापौर अलका बाघमार ने वितरित किए हेलमेट

सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा युवाओं में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक 21 तितुरडीह स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी/हिंदी माध्यम विद्यालय में हेलमेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद विद्यावती सिंह, रंजीता पाटिल, अरुण सिंह, मनमोहन शर्मा तथा विद्यालय परिवार की श्रीमती शालिनी त्रिवेदी, प्रभारी प्राचार्य चरनजीत कौरे, वरिष्ठ व्याख्याता भुल्लर, ज्योति मैडम, हेमलता साहू, साधना चंद्राकर, अनुपमा मेश्राम, घनश्याम पटेल एवं अभिषेक रात्रे की उपस्थिति में विद्यालय की 18 वर्ष आयु पूर्ण कर चुकी छात्राओं को हेलमेट वितरित किए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने कहा कि छात्राएं देश का भविष्य हैं और उनकी सुरक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आज के समय में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिनमें अधिकांश दुर्घटनाएं यातायात नियमों की अनदेखी और हेलमेट का उपयोग नहीं करने के कारण होती हैं। हेलमेट केवल कानूनी अनिवार्यता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय स्वयं तथा पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट अवश्य पहनना चाहिए।

महापौर ने छात्राओं से अपील की कि वे हमेशा यातायात नियमों का पालन करें, तेज गति से वाहन न चलाएं, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन न चलाएं तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि आज हेलमेट प्राप्त करने वाली छात्राएं अपने घर और समाज में सड़क सुरक्षा की प्रेरक बनें और सुरक्षित यातायात का संदेश जन-जन तक पहुंचाएं।

लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि युवाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है। ऐसे कार्यक्रम केवल हेलमेट वितरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार नागरिक तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। उन्होंने छात्राओं से जीवन की सुरक्षा को सवोच्च प्राथमिकता देते हुए हमेशा हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया।

विद्यालय की प्रभारी प्राचार्य चरनजीत कौरे ने नगर निगम द्वारा आयोजित इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे छात्राओं में सुरक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय में समय-समय पर सड़क सुरक्षा और जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों में जिम्मेदारी की भावना विकसित हो।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी छात्राओं को सुरक्षित वाहन संचालन की शपथ दिलाई और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। हेलमेट प्राप्त करने वाली छात्राओं ने नगर निगम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए हमेशा हेलमेट पहनकर वाहन चलाने तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पार्षद मनीषा सोनी कांग्रेस पार्षद दल की सचेतक के पद पर नियुक्त

दुर्ग। शहर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के निर्देशानुसार कांग्रेस के संगठन मंत्री राय सिंह ढिकोला द्वारा नगर निगम दुर्ग की पार्षद श्रीमती मनीषा सोनी को पार्षद दल के कांग्रेस सचेतक के पद पर नियुक्त किया गया है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि पार्षद दल के सचेतक के पद पर नियुक्त मनीषा सोनी कांग्रेस संगठन एवं जनहित के कार्यो को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाने के उद्देश्य से यह नियुक्ति की गई है। आशा है कि श्रीमती मनीषा सोनी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगी।

खास खबर

श्रमायुक्त कार्यालय पहुंचे डॉ. रामप्रताप सिंह कर्मचारियों से की बातचीत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग के छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त डॉक्टर रामप्रताप सिंह श्रम विभाग द्वारा कार्यक्रम में शामिल होने के बाद राजनांदगांव से लौटते वक्त सहायक श्रमायुक्त कार्यालय दुर्ग आगमन हुआ। यहां पर उनका फूल माला एवं गुलदस्ता से अधिकारी कर्मचारी ने स्वागत किया। उन्होंने कार्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारियों से मुलाकात की और श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी अधिकारी और कर्मचारियों से लिया।

उन्होंने कहा कि श्रमिक वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं, उन्हें अच्छे से क्रियान्वयन करें। साथ ही उन्होंने कहा कि गांव गरीब किसान मजदूर के हित के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। श्रमिकों के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना प्रारंभ की गई है, जिसमें प्रथम दो बच्चों को छठवीं से लेकर 12वीं तक आवास विद्यालय में गुणवत्ता निशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र में शिविर लगाकर श्रमिक पंजीयन करने से उन्हें शासन के योजनाओं का लाभ मिलेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष के निज सचिव त्रियंबक राव सोनटेके, सहायक श्रमायुक्त पायल शर्मा, श्रम कल्याण अधिकारी डॉक्टर टूकेंद्र कुमार एवं सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

नकरात्मक विचारों से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है : डॉ हंसा रावल

भिलाई। जिसका नसीब स्वयं भगवान ने बनाया है वह है ही सदा खुश नसीब हमारा एक सकारात्मक संकल्प दुनिया की परिस्थितियों से शक्तिशाली है सब कुछ संभव है असंभव शब्द को अपने जीवन से हटा दीजिए। यह बातें ब्रह्माकुमारी के अमेरिका स्थित टेक्सास सेवा केंद्रों की निदेशिका एवं अमरीकी सेना से एमडी चिकित्सा अधिकारी रहीं ब्रह्माकुमारी डॉ हंसा रावल ने बताई।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में बोल दिया कि कोई रास्ता नहीं है आप पेशेंट को घर ले जाइए ऐसे टर्मिनेशन वाले पेशेंट को मन से स्ट्रांग होने की 5 दिनों की शुभ भावना की ट्रेनिंग से आपने मरीजों का मनोबल बढ़ाकर उन्हें कैंसर जैसे असाध्य और अनेकों बीमारियों से मुक्त किया है। दुख का चिंतन बंद कर शुभ भावना, शाकाहारी भोजन थोड़ी एक्सरसाइज, मन को बिजी रखने का प्लान से आप स्वस्थ हो सकते हैं। उन्होंने बताया की बीमारी के बारे में बोलना तो दूर सोचना भी नहीं है क्योंकि यही बीमारी का कारण बनता है, आत्मा एक-एक संकल्प को पकड़ लेती है नेगेटिव विचारों से हमारी रोगप्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, इसीलिए कहते हैं कि दिल को मत दिखाओ।

ब्रह्माकुमारीज का सुंदर स्लोगन है सुख दो सुख लो, मुख से संकल्प से दुख देना पाप कर्म है। हम दुख देते नहीं है लेकिन दूसरों से दुख ले लेते हैं। ज्यादा मत सोचो निसंकल्प होकर परमात्मा को सब सौंप कर सोए। किसी से शिकायत न करें अपनी जो भी बीमारी हैं भगवान और सिर्फ डॉक्टर को बताएं और किसी तीसरे को नहीं दोनों एक्सपर्ट है।डॉ. हंसा के साथ आए ब्रह्माकुमार मार्क भाई ने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया स्लोगन से शुरू करते हुए कहा कि भारत में वह सामर्थ्य है जो विश्व को रहा दिखाएगा भारत ही देवी भूमि है जहां परमात्मा का अवतरण होता है। भिलाई सेवा केंद्र की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने हृदय पूर्वक डॉ हंसा दीदी और ब्रह्माकुमार मार्क भाई का स्वागत किया। डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने सुंदर नृत्य नाटिका से ब्रह्माकुमारी हंसा दीदी का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सुंदर मंच संचालन वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची ने किया।

दुर्ग जेल में आकस्मिक निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टर उपजेल अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी

विचाराधीन प्रकरणों में सुनवाई के लिए बंदियों की अधिक से अधिक पेशी वर्चुअल माध्यम से कराए जाने के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने आज केन्द्रीय जेल दुर्ग का आकस्मिक निरीक्षण किया। जेल परिसर भ्रमण के दौरान उन्होंने कल्याण शाखा, उद्योग शाखा, जेल अस्पताल, कम्प्यूटर प्रशिक्षण/एल.ई.डी. बल्ब उद्योग, नव निर्मित बैरक एवं अस्पताल भवन, पाकशाला, नवीन जेल, प्रिजनर कॉलिंग, एम.सी.यू. कक्ष, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष, मुलाकात कक्ष, निर्वाह शाखा, विधि शाखा, वारंट शाखा, लेखा शाखा, सी.सी.टी.वी. कक्ष तथा महिला प्रकोष्ठ का बारीकी से अवलोकन किया।

वारंट शाखा में विचाराधीन एवं कैदी वारंटों का जायजा लेते हुए उन्होंने विचाराधीन प्रकरणों में सुनवाई हेतु बंदियों की अधिक से अधिक पेशी वर्चुअल माध्यम से कराए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने पीड़ित पक्ष की लंबित राशि के भुगतान संबंधी जानकारी शीघ्र प्राप्त कर समिति में प्रस्तुत करने तथा भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जेल में नवनिर्मित भवनों (बैरक एवं स्टॉफ क्वार्टर) के यथाशीघ्र उपयोग हेतु निर्देशित किया, वहीं बंदियों द्वारा निर्मित बैरक को लोक निर्माण विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र हैंडओवर करने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने जेल के उद्योग सेक्शन में शेड निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग से स्टीमेट प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही करने तथा जेल परिसर में पानी निकासी हेतु नाली की नियमित सफाई कराने के भी निर्देश दिए।

जेल अधीक्षक मनीष संभाकर ने बताया कि बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों को विभिन्न जेलों, न्यायालयों सहित अन्य विभागों को उनकी मांग के आधार पर निर्धारित दर पर उपलब्ध कराया जाता है। इस पर कलेक्टर सिंह ने बंदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों की अधिकाधिक बिक्री सुनिश्चित करने हेतु अधीक्षक को आवश्यक सुझाव दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जेल द्वारा संचालित गौशाला का भी अवलोकन किया।

इस दौरान उप जेल अधीक्षक (उद्योग) अशोक कन्नौजिया निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं मिले, जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जेल में निरुद्ध पुरुष बंदी 2273 एवं महिला बंदी 134 (05 बच्चे सहित) लॉकअप में रहे। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सोनाल डेविड, एसडीएम दुर्ग शहर प्रफुल्ल कुमार गुप्ता एवं जेल अधीक्षक मनीष संभाकर उपस्थित रहे।

कलेक्टर सिंह ने किया रक्तदान शिविर का भ्रमण

दुर्ग। जिले के सेक्टर 9 भिलाई स्थित महिला महाविद्यालय परिसर में मुनिन्द्र धर्मार्थ ट्रस्ट द्वारा रविवार, 2 अगस्त 2026 को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में ट्रस्ट से जुड़े समाज के सभी वर्ग के लोगों ने रक्तदान की सेवा दी। शिविर में 291 यूनिट रक्तदान हुआ। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रक्तदान शिविर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ट्रस्ट के जिला संयोजक खेमेन्द्र साहू ने रक्तदान शिविर के आयोजन के उद्देश्य एवं ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी से अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि विगत दिवस इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय में संचालित ब्लड बैंक में रक्त की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई में रक्तदान-महादान विषय पर बैठक आयोजित की गई थी। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील के साथ ही रक्तदान अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए सुझाव और सहयोग का आह्वान किया गया। कलेक्टर की अपील पर मुनिन्द्र धर्मार्थ ट्रस्ट के सेवादारों ने जिला प्रशासन को रक्तदान शिविर आयोजित कर ब्लड बैंक हेतु शिविर में संग्रहित रक्त डोनेट करने का भरोसा दिलाया। रेडक्रॉस सोसायटी की बैठक के पश्चात यह किसी सामाजिक संस्था का पहला विशाल रक्तदान शिविर है, जिसमें ट्रस्ट से जुड़े समाज के सभी वर्ग बढ़-चढ़ कर रक्तदान हेतु आगे आए है। इनके द्वारा 291 यूनिट रक्तदान किया गया।

सरकारी स्कूल में शमर्नाक घटना पर अरुण वोरा का शिक्षा मंत्री को पत्र, दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की मांग

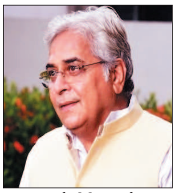

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड स्थित शासकीय प्राथमिक शाला, डोंगाकोहरौद में प्रधानाध्यापक पर लगे गंभीर आरोपों को अत्यंत शमर्नाक एवं चिंताजनक बताते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव को पत्र लिखकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच तथा दोषी पाए जाने पर कठोरतम कानूनी एवं विभागीय कार्रवाई की मांग की है।

अरुण वोरा ने अपने पत्र में कहा है कि यदि मीडिया में प्रकाशित आरोप सत्य सिद्ध होते हैं, तो यह केवल एक व्यक्ति का अपराध नहीं, बल्कि गुरु-शिष्य परंपरा, शिक्षा व्यवस्था की गरिमा और मासूम बच्चों की सुरक्षा के साथ घोर विश्वासघात है। विद्यालय बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित स्थान होना चाहिए, लेकिन इस प्रकार की घटनाएं अभिभावकों का विश्वास तोड़ रही हैं और प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

वोरा ने शिक्षा मंत्री से मांग की है कि आरोपी के विरुद्ध कानून के सभी प्रासंगिक प्रावधानों के तहत कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई, तत्काल सख्त विभागीय कार्रवाई तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रदेश के सभी विद्यालयों में प्रभावी निगरानी एवं जवाबदेही की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार समय रहते शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं करती है, तो ऐसे मामलों से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर जनता का विश्वास लगातार कमजोर होता जाएगा।

अपने पत्र में वोरा ने प्रदेश के सभी विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस सुझाव भी दिए हैं। उन्होंने प्रत्येक विद्यालय में अभिभावकों एवं महिला शिक्षकों को शामिल करते हुए बाल सुरक्षा समितियों के गठन, प्रत्येक जिले में नोडल अधिकारी की नियुक्ति, विद्यार्थियों के लिए गोपनीय शिकायत पेटी एवं टोल-फ्री हेल्पलाइन शुरू करने तथा प्रत्येक शिकायत पर 72 घंटे के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

इसके साथ ही उन्होंने विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालयों का नियमित औचक निरीक्षण, शिक्षकों के आचरण की सतत समीक्षा तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है। वोरा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता तथा सरकार को इस दिशा में तत्काल ठोस और प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

"बीरा जी के अंगना" में पतंजलि योग समिति ने धूमधाम से मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

पतंजलि योग समिति, जिला दुर्ग द्वारा गुरु पूणिर्मा का पावन पर्व बीरा जी के आंगन, सिरसा रोड, आर्य नगर, कोहका भिलाई में पूरे श्रद्धा, उल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति के भिलाई-दुर्ग क्षेत्र के योग शिक्षक तथा पतंजलि के पांचों संगठनों—भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति, युवा भारत एवं किसान पंचायत—के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ शत्रुघ्न साहू, थानेन्द्र साहू एवं राजेश तिवारी द्वारा यज्ञ के माध्यम से किया गया। यज्ञ में सभी के उत्तम स्वास्थ्य तथा संपूर्ण राष्ट्र की सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना की गई।

इसके पश्चात पतंजलि योग समिति, जिला प्रभारी नरेंद्र पटेल ने श्रद्धेय योगगुरु स्वामी रामदेव महाराज एवं आचार्य बालकृष्ण महाराज के राष्ट्र, समाज एवं मानव कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों, उनके मार्गदर्शन तथा भविष्य के संकल्पों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उपस्थित सभी सदस्यों ने उनके विचारों से प्रेरित होकर तन-मन-धन से समाज एवं राष्ट्र सेवा में योगदान देने का संकल्प लिया तथा गुरु वंदना की। कार्यक्रम में हर्षिता साहू एवं नवीश साहू द्वारा भजन के साथ मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित सभी साधकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया।

योग और समाज सेवा के लिए विशेष सम्मान

जिले में योग एवं समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले योग शिक्षकों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तियों में—श्रीमती विमला राय, श्रीमती कावेरी चौधरी, श्रीमती अनामिका पुरी, श्रीमती यशोदा साहू, रामचंद्र वर्मा, कामराज पटले, संजय टावरी, राम लखन शर्मा, बी.एल. कहार, रामाधार महिलांग, आर.आर. खन्ना, डी.पी. शर्मा एवं प्रभुनाथ पांडे शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में जयंत विष्णु भारती, राज्य प्रभारी युवा भारत एवं योगासन स्पोर्ट, द्वारा सुंदर एवं प्रेरणादायी भजन की प्रस्तुति दी गई।

सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह की माता श्रीमती कुलवंत कौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी उन्होंने सभी अतिथियों, योग शिक्षकों एवं साधकों का बीरा जी के आंगन में पधारने के लिए आभार व्यक्त किया। इसके पश्चात अनूप बंसल, सह राज्य प्रभारी, भारत स्वाभिमान न्यास, ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संगठन के आगामी कार्यों की दिशा एवं कार्यपद्धति के संबंध में मार्गदर्शन दिया तथा सभी को योग, स्वास्थ्य, समाज एवं राष्ट्र सेवा के लिए निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जिले के पदाधिकारियों शंभू कुशवाहा, जे.आर. बीसेन, तिजऊ राम साहू, श्रीनिवास राव, उद्धव राम साहू, श्रीमती सुमन भारती एवं श्रीमती सुधा सोनी सहित कार्यकर्ताओं भावेश साहू, चौरसिया, राजेंद्र वैष्णव, उमेश साहू, मुरलीधर साहू, परस राम साहू, कुलेश्वर निषाद, साधना साहू तथा कान्हा पार्क एवं बीरा जी के आंगन के योग साधकों का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा। गुरु पूणिर्मा के इस अवसर पर उपस्थित सभी ने गुरु के मार्गदर्शन में योग को जन-जन तक पहुंचाने, स्वस्थ समाज के निर्माण तथा राष्ट्र सेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया।

भाजपा की जिला स्तरीय बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की बनी रणनीति

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय जनता पार्टी दुर्ग जिला की आत्मनिर्भर मासिक बैठक शनिवार को नागपुरा स्थित रेस्ट हाउस में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला महामंत्री दिलीप साहू एवं विनोद अरोरा सहित जिला पदाधिकारी और विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी उपस्थित रहे।

बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें संत रविदास जयंती, 10 अगस्त से प्रारंभ होने वाले हर घर तिरंगा अभियान, मंडल एवं जिला स्तरीय तिरंगा यात्राओं तथा 14 अगस्त को आयोजित होने वाले विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। साथ ही मंडलों में चल रहे संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की गई तथा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया।

बैठक का शुभारंभ वंदे मातरम् एवं राजकीय गीत के साथ हुआ, जबकि समापन राष्ट्रीय गीत के साथ किया गया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के दिवंगत परिजनों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। संबोधित करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित और अनुशासित संगठन है, जहां प्रत्येक पदाधिकारी संगठन की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि संगठन की आत्मनिर्भरता तभी संभव है, जब प्रत्येक पदाधिकारी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन के कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाए।

उन्होंने बताया कि 4 अगस्त को दुर्ग में संत रविदास समरसता रथ यात्रा पहुंचेगी। यात्रा के साथ आने वाले कलश को शहर के चिन्हित मंदिर में स्थापित किया जाएगा तथा रथ यात्रा को सभी मंडलों में भ्रमण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रभक्ति और जनभागीदारी का महापर्व है, जिसमें भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करेंगे। वहीं विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के आयोजन में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर उन्हें देश विभाजन की त्रासदी से अवगत कराया जाएगा।

सुरेंद्र कौशिक ने संगठन की मजबूती के लिए नियमित बैठकों, बूथ स्तर तक सक्रियता और जनसंपर्क को भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए सभी पदाधिकारियों से आगामी कार्यक्रमों को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आह्वान किया।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री दिलीप साहू ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री विनोद अरोरा ने किया। बैठक में जिला पदाधिकारी, प्रकोष्ठ प्रभारी, मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी सेल एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विदेश यात्रा से लौटे सांसद बघेल का दुर्ग में भव्य स्वागत

दुर्ग। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के प्रतिनिधिमंडल के रूप में मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया एवं रोमानिया की सफल राजकीय यात्रा पूर्ण कर स्वदेश लौटे दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल का शनिवार को दुर्ग में भव्य एवं गरिमामय स्वागत किया गया।

इस अवसर पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन ने सांसद विजय बघेल का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर आत्मीय अभिनंदन किया। उन्होंने विदेश यात्रा की सफल पूणर्ता पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय है। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने सांसद विजय बघेल का गमजीशी से स्वागत करते हुए उनके नेतृत्व, जनसेवा और क्षेत्र के विकास के प्रति समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में उत्साह का माहौल रहा और "भारत माता की जय" तथा "वंदे मातरम्" के जयघोष गूंजते रहे। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सांसद विजय बघेल के अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का लाभ दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के विकास कार्यों में मिलेगा तथा क्षेत्र को नई दिशा और गति प्राप्त होगी। स्वागत समारोह सौहार्द, सम्मान और जनसमर्थन का प्रतीक बनकर संपन्न हुआ।

नारायणपुर के मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' विजेताओं ने राष्ट्रपति से की सौजन्य मुलाकात

राष्ट्रपति भवन में गूंजी बस्तर की जनजातीय संस्कृति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बस्तर के घने जंगलों, अनूठी सामाजिक व्यवस्था और समृद्ध जनजातीय विरासत की गूंज अब देश के सवीच्च मंच राष्ट्रपति भवन तक जा पहुंची है। नारायणपुर जिले के पारंपरिक मांझी-चालकी और 'बस्तर पंडुम' प्रतियोगिता के विजेताओं का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल हाल ही में नई दिल्ली पहुंचा, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति से सौजन्य मुलाकात की। इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कलाओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 30 जुलाई 2026 में राष्ट्रपति भवन का दौरा किया, जिसमें बस्तर पंडुम के विजेता, मांझी-चालकी और पद्मश्री सम्मानित कलाकार शामिल थे।

इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत 27 जुलाई को नारायणपुर से हुई थी, जब नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को दिल्ली के लिए रवाना किया था। पूरे जिले के लिए यह एक अत्यंत गर्व का क्षण था। इसके बाद 30 जुलाई को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बस्तर की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने का यह सुनहरा अवसर आया।

मुलाकात के दौरान बस्तर की कला और परंपरा के प्रमुख ध्वजवाहकों ने अपनी माटी का प्रतिनिधित्व किया। इनमें 'बस्तर पंडुम' के जनजातीय आभूषण विधा की विजेता मुंगड़ी कोर्राम और सुदनी दुग्गा शामिल थीं, जिन्होंने पारंपरिक आभूषणों के सौंदर्य और उनके सांस्कृतिक महत्व की जानकारी साझा की। वहीं, बस्तर की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का नेतृत्व करते हुए एड़का परगना के मांझी राजाराम, करंगाल परगना के मांझी सुधवाराम करंगा, गोटाली परगना के मांझी मंगतू राम ध्रुव, नूरदेश परगना के मांझी गुड्डू पोटाई तथा करंगाल परगना के चालकी सोमारू राम ने बस्तर की पारंपरिक सामाजिक संरचना और रीति-रिवाजों का परिचय दिया।

प्रतिनिधिमंडल की इस मुलाकात से न केवल नारायणपुर और समूचा बस्तर संभाग गौरवान्वित महसूस कर रहा है, बल्कि इससे राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को एक नई पहचान मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मंचों से जनजातीय कला, परंपराओं और लोक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन को अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिलेगा।

खास खबर

मंत्री राजवाड़े की मौजूदगी में शुरू हुआ नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम के जरिए देशव्यापी नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में भी अभियान की औपचारिक शुरुआत विभिन्न जिलों में की गई। सूरजपुर जिले में आयोजित राज्य स्तरीय महत्व के कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

सूरजपुर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, छात्र-छात्राओं, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा गया और उपस्थित सभी लोगों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए विनाशकारी है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की केंद्रीय भूमिका है, इसलिए उन्हें अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि युवाओं का उज्ज्वल भविष्य अनुशासन, शिक्षा और स्वस्थ जीवनशैली में निहित है। उन्होंने छात्र-छात्राओं और युवाओं से मन लगाकर पढ़ाई करने, खेलकूद एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा हर प्रकार के नशे से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान लाइफलाइन एक्सप्रेस ट्रेन की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि यह विशेष स्वास्थ्य सेवा ट्रेन 16 अगस्त से 5 सितंबर 2026 तक विश्रामपुर में उपलब्ध रहेगी, जहां विभिन्न बीमारियों का निःशुल्क उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान 2 अगस्त 2026 से प्रारंभ होकर देशभर में 100 सप्ताह तक संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, एनएसएस, एनसीसी, माय भारत तथा अन्य युवा संगठनों के माध्यम से रैली, शपथ ग्रहण, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता, वाद-विवाद, नुक्कड़ नाटक, संगीत, लघु फिल्म और विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" का आयोजन

रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक से नशे पर कड़ा प्रहार

रायपुर। दुर्ग स्थिति शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सभागार में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा "नशा मुक्त विकसित भारत" कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री का संदेश: विकसित भारत के लिए नशे से दूर रहें युवा

समारोह के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का युवाओं के नाम विशेष संदेश प्रसारित किया गया। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से नशे से दूर रहने का स्पष्ट आह्वान करते हुए "नशा मुक्त विकसित भारत" के निर्माण में उनकी सक्रिय भूमिका को रेखांकित किया।

नशा मुक्त परिवार ही खुशहाली की नींव: विधायक ललित चंद्राकर

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण के विधायक श्री ललित चंद्राकर ने कहा कि नशा मुक्त परिवार ही खुशहाल परिवार की आधारशिला है।" उन्होंने युवाओं से न केवल स्वयं को नशे से दूर रखने बल्कि समाज में इसके दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने का आग्रह किया।

रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी से ड्रग सप्लाई चेन पर कसेगा शिकंजा

कुलपति प्रो. संजय तिवारी ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सामने रखते हुए कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों, विशेषकर रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और ड्रग स्क्रीनिंग प्रणालियों का उपयोग करके मादक पदार्थों की पहचान और उनकी आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा रहा है।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री की उपस्थिति में नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ

100 सप्ताह तक चलेगा जन-जागरूकता अभियान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज देशभर में प्रारंभ हुए नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत राजधानी रायपुर स्थित लोक भवन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की गरिमामयी उपस्थिति में बड़ी संख्या में युवा, छात्र-छात्राएं, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संगठन तथा विभिन्न युवा संगठनों के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया और समाज को नशे के दुष्प्रभावों से मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से देशभर के युवाओं को संबोधित करते हुए 100 सप्ताह तक चलने वाले इस राष्ट्रव्यापी जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है और यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का सकारात्मक उपयोग करें, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से स्वयं नशामुक्त जीवन अपनाने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और समाज को भी इस दिशा में जागरूक करने का आह्वान किया।

लोक भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं ने उत्साहपूर्वक देखा। राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्ति की शपथ ली। कार्यक्रम में युवाओं को नशीले पर्दाथों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, सकारात्मक सोच विकसित करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया।

उल्लेखनीय है कि ह्यनशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियानह्ण 2 अगस्त 2026 से प्रारंभ होकर आगामी 100 सप्ताह तक देशभर में संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), माय भारत युवा संगठन तथा अन्य युवा संगठनों के सहयोग से विविध जन-जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। इनमें नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम, जागरूकता रैलियाँ, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिताएँ, वाद-विवाद, निबंध लेखन, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, लघु फिल्म प्रदर्शन, सोशल मीडिया अभियान तथा सामुदायिक संवाद जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे।

अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, उन्हें सकारात्मक जीवन मूल्यों से जोड़ना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय और जिम्मेदार भागीदारी सुनिश्चित करना है। केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से यह अभियान समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाकर इसे जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन बनाया जाएगा। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा अजय दुबे, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में युवा एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने किया सत्याग्रह किताब का विमोचन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज शाम यहां शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में सत्याग्रह नामक किताब का विमोचन किया। हरि ठाकुर स्मारक संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुस्तक के लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार स्वर्गीय आशीष सिंह है। यह पुस्तक जल-जंगल के संघर्ष पर केन्द्रित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा, साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित, पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, साहित्यकार, स्वर्गीय आशीष सिंह जी के सुपुत्र उपमन्यु सिंह, अभिमन्यु सिंह मौजूद थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पुस्तक का विमोचन कर कहा कि यह किताब शताब्दी वर्ष छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा किए गए जल-जंगल के लिए किए गए सत्याग्रह पर आधारित है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान जल-जंगल के अधिकारों की रक्षा के लिए हुए संघर्ष को दर्शाता है। बस्तर से लेकर राजनांदगांव एवं राजनांदगांव से लेकर धमतरी के कंडेल में नहर सत्याग्रह की घटना को उजागर करती है। सन् 1920 में बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव के अनुरोध पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को धमतरी आना पड़ा। राजनांदगांव जिले के बादराटोला में शहीद रामाधीन गोंड जिसका स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान था, उसके नाम पर राजनांदगांव शहर में रामाधीन मार्ग है। डॉक्टर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी त्यागमूर्ति स्व. प्यारे लाल सिंह स्वर्गीय हरि ठाकुर के योगदान को स्मरण किया।

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जल-जंगल का संघर्ष शताब्दी वर्ष के रूप में सत्याग्रह किताब का विमोचन किया जा रहा है। स्वर्गीय आशीष सिंह ने इस किताब के जरिए स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आंदोलन के समय के जल-जंगल के संघर्ष का विस्तार से वर्णन किया है, जिसमें धमतरी का कंडेल नहर सत्याग्रह, नत्थूजी जगताप, नारायण राव मेघावाले के संघर्ष और राजनांदगांव जिले के शहीद रामाधीन गोंड का बलिदान, पंडित सुन्दरलाल शर्मा का योगदान का चित्रण किया है। पुस्तक के प्रकाशन के लिए मैं हरि ठाकुर स्मारक संस्थान को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्र एवं साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष शशांक शर्मा, साहित्यकार विरेन्द्र बहादुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

नशे के खिलाफ युवा बनें जन आंदोलन के नेतृत्वकर्ता : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नशा मुक्त भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं माय भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विश्वविद्यालय बिलासपुर के रजत जयंती सभागार में नशा मुक्त युवा विकसित भारत 2.0 अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रव्यापी वर्चुअल संबोधन का प्रसारण किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हमारा युवा नशे से मुक्त, स्वस्थ, अनुशासित और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित होगा। नशा केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। आज प्रत्येक युवा को नशा मुक्त भारत अभियान का ब्रांड एंबेसडर बनकर अपने गांव, शहर और शिक्षण संस्थानों में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन का भी केंद्र है। विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास ही वास्तविक शिक्षा है। नशा मुक्त युवा विकसित भारत अभियान युवाओं को राष्ट्र के प्रति उनके दायित्वों का बोध कराने वाला महत्वपूर्ण अभियान है।

बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा शिक्षा, नवाचार, खेल और समाज सेवा में लगाएंगे तो विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त होगा। प्रत्येक युवा को इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक, रैली एवं रक्तदान शिविर का विशेष आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बिलासपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती पूजा विधानी जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, कलेक्टर संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एके दीक्षित, माय भारत के उप निदेशक नितिन शर्मा सहित विश्वविद्यालय परिवार, प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर राजेंद्र मेहता ने किया।

विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं, माय भारत स्वयंसेवकों, माय भारत यूथ क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, स्काउट-गाइड खेल एवं युवा कल्याण विभाग खेलो इंडिया विभिन्न महाविद्यालयों, से लगभग एक हजार युवाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। आयोजन में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों, स्वस्थ जीवनशैली एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति प्रेरित किया गया। इस अवसर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में दो दर्जन से अधिक युवाओं और प्राध्यापकों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं माय भारत बिलासपुर के संयुक्त प्रयासों से संपन्न हुआ। उपस्थित अतिथियों ने इस अभियान को केवल एक दिवसीय कार्यक्रम न मानते हुए इसे जनभागीदारी से जुड़े सतत सामाजिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ी कलाकारों की भक्तिमय सुरों से गुंजायमान हुआ बाबा दरबार पावन धाम धनोरा

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली-भिलाई

बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में बड़े ही धूमधाम धाम के साथ गुरु पूणिर्मा का आयोजन किया गया। आयोजन के बारे में बाबा दरबार के लक्ष्मण बाबा जी ने बताया कि इस अवसर पर स्व. परमानंद कठोलिया जी के परिवार उपस्थित थे और स्व. श्री कठोलिया जी के चलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर बाबा दरबार में एक से बढ़कर एक कलाकारों का आगमन भी हुआ। जिनका दरबार के भक्तों द्वारा मोमेंटो, श्रीफल एवं गुलाल लगाकर जोरदार स्वागत किया गया।

कलाकारों में लोक गायिका पद्मश्री ममता चंद्राकर, प्रेम चन्दाकर फिल्म निर्देशक, संगीतकार कविता वासनिक, दीदी सुश्री हिमानी वासनिक, दुष्यंत हरमुख, कुमारी कनक साहू बाल कलाकार, लोकगायिका तृषा साहू, लोकगायिका मालती निषाद, टोमन वर्मा जस जगराता गायक, हेमंत साहू भजन गायक, जस गीत रचनाकार गायक बिंदू, रचनाकार भवानी नायक, अगराहित निषाद, रज्जू रायपुरीहा, मौनी राकेश साहू, अशोक साहू, घनश्याम यादव, नंद कुमार बघेल, नंद कुमार नंदगई, दयालू गुरुजी आदि कलाकारों सहित राकेश हिरवानी उपाध्यक्ष जनपंद पंचायत दुर्ग, श्रीमती रुलेशवरी चंन्द्रशेखर बंजारे सरपंच धनोरा, श्रीमती संगीता सपरे उपसरपंच, कामेश साहू छत्तीसगढ़ क्रान्ति सेना आदि का दरबार में पहुंचे और अपने-अपने कला का प्रदर्शन किया। शाम चार बजे से दरबार में कुंज लाल साहू द्वारा खिचड़ी प्रसाद वितरण किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम 6 बजे से सुश्री हिमानी वासनिक द्वारा भरथरी गायन प्रस्तुत किया और रात्रि 8 बजे से श्रीराधा कृष्ण सेवा एवं फाग मंडली धनोरा के गुलाब साहू द्वारा झांकी प्रस्तुत किया गया। जिसको देखकर सभी भक्तों तालियों की गढ़गड़ाहट ने कलाकारों का मनमोह लिया।

धनोरा में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, भक्ति के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष रूप से दरबार के विनोद साहू, राजू यादव, मनसुखा साहू, मनोज पटेल, गुलाब साहू, जीवराखन ठेकेदार, बाबू लाल साहू, दिनेश साहू, भोलू, खिलेशवर साहू, सुंदर सपरे, चन्द्र कांत देवांगन, एमलाल देवांगन, कल्याण देवांगन, ललित साहू, रोशन साहू, डॉ. धनेशवर साहू, राजू देशमुख, इतवारी पटेल, वासुदेव स्प्रे, पूर्व उपसरपंच कुंभकरण पटेल, मुनना गंधर्व, सुनील पेंटर, दिनेश यादव, रामू यादव, ओमकार साहू, टीकम, गुमान साहू, मारियल साहू, चेतन साहू, बब्लू, गज्जू रायपुरीहा, श्रीमती बबिता साहू, ललिता यादव, सुनीता साहू, मितानिन कौशिलया सेन, रुखमणि साहू, पावर्ती मंडलिन, प्रभा साहू, देवश्री, अंजु देवांगन, संगीता सपरे, गीता देवांगन, मंजू साहू, ललिता राउत, देवकी साहू, कु वेदू साहू, कु सुरुचि, छोटी, कु डिंपल साहू, कु पुजा साहू, कु नेहा साहू सहित बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे। यह जानकारी दरबार प्रति निधी चंन्द्र कांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू ने दी।

संपादकीय

एक करे तो दूसरा पीछे कैसे रह सकता है

जब किसी क्षेत्र में दो लोगों के बीच होड़ लगी रहती है कुछ भी कहने और कुछ भी करने की तो एक कुछ कहता है या करता है तो दूसरे लिए वैसा कहना और करना जरूरी हो जाता है। जब तक वह ऐसा नहीं करता है वह खुद को होड़ में पिछड़ा हुआ समझता है। इसलिए बराबरी में आने के लिए वह कोई चर्चित मुद्दा तलाश करता है, ऐसे मुद्दे तलाश करता है जिससे ऐसा लगे उसे देश व देश के लोगों की बड़ी परवाह है। वह देश के लोग जितने परेशान हैं,उससे ज्यादा वह परेशान है। वह देश के लिए बहुत कुछ करना चाहता है लेकिन देश के लोग उसे करने के लिए सत्ता में नहीं ला रहे हैं। इसके लिए वह सत्तारूढ़ दल की सरकार की हर तरह से आलोचना करता है। जनता की हर समस्या व हर तकलीफ के लिए उसे ही दोषी बताता है। देश में ऐसे दो नेता हैं। एक हैं अरविंद केजरीवाल और दूसरे राहुल गांधी। दोनों के बीच खुद को बड़ा नेता साबित करने की होड़ लगी रहती है। दिल्ली चुनाव हारने के बाद केजरीवाल राजनीति के मुख्य धारा से कट गए थे अब वह फिर से मुख्य धारा में आने और खुद को राहुल गांधी से बड़ा नेता साबित करने का प्रयास कर रहे हैं। राम लला के दर्शन के मामले में वह खुद को और अपनी पार्टी को सनातनी बता चुके हैं और कांग्रेस सहित विपक्ष को सनातन का विरोधी बता चुके हैं। विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं के चुनाव हार जाने के बाद राहुल गांधी का राजनीतिक कद बढ़ा है और वह विपक्ष के एकमात्र नेता खुद को समझते हैं और कांग्रेस भी ऐसा समझती है और दिल्ली में संसद सत्र के दौरान विपक्ष के पास कोई दूसरा नेता नहीं होने के कारण वह मजबूरी में मानते हैं कि राहुल गांधी हमारे नेता हैं।

राहुल गांधी भी जब भी मौका मिलता है तो वह यह बताने का प्रयास जरूर करते हैं कि मोदी को टक्कर देने वाले वही एक नेता हैं ।वही मोदी का विकल्प हैं, जो काम कोई नहीं कर सकता वह काम वह कर सकते हैं ।सीजेपी ने युवाओं के लिए दिल्ली में अनशन व आंदोलन किया तो राहुल गांधी को ऐसा लगा कि वह युवाओ की नेतृत्व के मामले में पीछे छूट रहे हैं तो उन्होंने अचानक फैसला किया कि वह भी शिक्षामंत्री के इस्तीफे के लिए पीएम आवास के सामने धरना देंगे और कांग्रेस नेताओं व अखिलेश यादव के साथ उन्होंने धरना भी दिया और सब नेताओं की गिरफ्तारी भी हुई। इससे पूरे देश में माहौल बना कि राहुल गांधी युवाओं के सबसे बड़े नेता हैं, वह युवाओं के हित में काम कर रहे हैं। आज तक पीएमआवास के सामने किसी राजनीतिक दल ने कोई धरना नहीं दिया था क्योंकि यह पीएम की सुरक्षा का मामला होता है लेकिन राहुल गांधी तो राहुल गांधी हैं वह चर्चा व खबरों में बने रहने के लिए आए दिन संसद के बाहर व भीतर ऐसा ही कुछ कहते रहते हैं,करते रहते हैं।

अब राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने पीएम आवास के सामने धरना दे दिया तो आप के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के लिए भी ऐसा करना जरूरी हो गया है क्योंकि राहुल गांधी ने पीएम आवास के सामने धरना देकर केजरीवाल से आगे हो गए हैं, केजरीवाल से बड़े नेता हो गए हैं। केजरीवाल युवाओं के मुद्दे पर ऐसा कर नहीं सकते क्योंकि यह मुद्दा पुराना हो गया है, इसकी चर्चा भी कम हो गई है। इसलिए उन्होंने एथेनाल के मुद्दे पर पीएम आवास तक इसी माह मार्च करने की घोषणा की है। उन्होंने दो लाख लोगों की आनलाइन हस्ताक्षर वाली याचिका सौंपने की घोषणा भी की है ।इससे पहले उन्होंने यह मांग की थी कि देश के पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को शुध्द पेट्रोल और ई-20 के बीच का विकल्प दिया जाए ।अगर चार अगस्त तक ऐसा नहीं किया गया तो वह पीएम आवास तक मार्च करेंगे ।यानी उन्होंने पहले की यह कारण बता दिया है कि वह पीएम आवास तक मार्च करेंगे तो क्यों करेंगे। उन्होंने कहा है कि वह मंगलवार दोपहर दो बजे 100 समर्थकों के साथ पीएम से मिलने के लिए निकलेंगे ।उनके साथ वही लोग जाएंगे जो जेल जाने से नहीं डरते ।केजरीवाल जानते है कि इथेनाल को लेकर देश के लोगों में गुस्सा है। क्योंकि गाड़ी के कुछ पार्टस पर उसका बुरा असर पड़ता है ।केजरीवाल सोचते हैं कि वह इथेनाल के मुद्दे को उठाकर लोगों का प्रभावित कर सकता हूं। राहुल गांधी को पीछे छोड़ सकता हूं ।यही वजह है कि वह देश के सबसे चर्चित इथेनाल के मुद्दे को लेकर खुद को राहुल गांधी से बड़ा नेता व प्रभावी नेता दिखाना चाहते हैं।

राहुल गांधी की सोच व केजरीवाल की सोच में ज्यादा अंतर नहीं है। वह खुद को पीएम मोदी से बेहतर नेता मानते हैं लेकिन देश की जनता ऐसा नहीं मानती हैं। इसकी वजह यह है कि इनको शासन करने का मौका मिला तो वह सब नही कर सके जो सत्ता से बाहर हो जाने पर करने की बात करते हैं ।जब भी सत्ता से बाहर हो जाते हैं तो वह खुद को मोदी से बेहतर सोचने वाला व काम करने वाला बताने का प्रयास करते हैं और जनता जो पीएम मोदी को पिछले 12 सालों से काम करते देख रही है,वह जानती है कि पीएमम मोदी चाहे राहुल गांधी हो या केजरीवाल हो दोनों से कई गुना बेहतर नेता हैं,ईमानदार नेता है,काम करने वाले नेता हैं, जनता के हित की चिंता करने वाले नेता हैं। उनकी खासियत यह है कि वह कुछ भी करते हैं तो वह शुरू में भले विवाद हो कि सरकार यह गलत कर रही है लेकिन बाद में पीएम मोदी साबित कर देते हैं कि वह जो कुछ भी करते हैं, वह देश व जनता के भले के लिए करते हैं। चाहे वह नीट पेपर लीक का मामला है या इथेनाल का मामला हो।

इथेनाल के मामले में भी विपक्ष ने खूब हल्ला किया लेकिन अब जब यह बताया गया है कि इथेनाल को पेट्रोल में मिलाने की जरूरत क्यों पड़ी तो साफ हो जाता है कि ऐसा नहीं किया जाता तो देश के लोगों का कितनी परेशानी होती, देश को आर्थिक रूप से कितना नुकसान होता ।पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार जब पं .एशिया संकट के दौरान भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 135 डालर प्रति बैरल पहुंच गई थी तो अनुमान लगाया गया था कि एथेनाल के बिना पेट्रोल बेचा जाता तो वह दिल्ली में 125 रुपए प्रति लीटर होता। लेकिन सरकार ने इथेनाल मिला पेट्रोल बेचकर कर देश में पेट्रोल की कीमत को 94 .77 रुपए पर बनाए रखा ।इससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है। इथेनाल बनाने के किसानों को फायदा होता है। सरकार को विदेशी मुद्रा की बचत होती है। एक अनुमान के मुताबिक इथेनाल वाले पेट्रोल के कारण भारत को 1 .97 लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और 950 लाख मीट्रिक टन से अधिक कार्बन डाईआक्साइड का उत्सर्जन कम हुआ है। शुरू में विपक्ष के हल्ले के कारण लोगों में कुछ दिनों तक चाहे नीट पेपर लीक हो या इथेनाल हो गुस्सा रहता है लेकिन सरकार ऐसा कुछ करती है कि लोगों को लगता है कि सरकार ने जो किया ठीक किया,देश के लिए किया, जनता के लिए किया।

विज्ञान-तकनीक के सहारे सुरक्षित बाघों की दुनिया

डॉ. सुशील द्विवेदी

मशीन लर्निंग आधारित प्रणालियां बाघों की गतिविधियों का विश्लेषण कर यह बताने में सक्षम हैं कि किसी क्षेत्र में मानव-बाघ संघर्ष की आशंका कितनी है, किस दिशा में बाघों का आवागमन बढ़ रहा है और किन इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता है। हर वर्ष 29 जुलाई को विश्व बाघ दिवस मनाया जाता है। यह दिन बाघ संरक्षण के साथ प्रकृति और मानव जीवन में संतुलन के गहरे संबंध का स्मरण भी कराता है। बाघ केवल जंगल का राजा नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का प्रहरी है। जहां बाघ सुरक्षित हैं, वहां जंगल जीवित हैं ; जहां जंगल सुरक्षित हैं, वहां नदियां बहती हैं, भूजल संरक्षित रहता है और जैव विविधता फलती-फूलती है। तभी कहा जाता है, टाइगर रहेगा तो इंसान भी रहेगा।

एक समय अवैध शिकार, जंगलों की सिकुड़न, अनियंत्रित शहरीकरण, खनन, सड़क-रेल परियोजनाओं तथा बढ़ते मानव-बाघ संघर्ष ने बाघों की संख्या को चिंताजनक स्तर तक पहुंचा दिया था। वर्ष 2006 में देश में केवल 1,411 बाघ शेष बचे थे। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों, वन विभाग, वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों तथा विभिन्न संस्थाओं ने समन्वित प्रयास शुरू किए। आज विश्व के लगभग 75 प्रतिशत जंगली बाघ भारत में हैं। यह उपलब्धि केवल संरक्षण नीतियों का परिणाम नहीं है, बल्कि आधुनिक विज्ञान, तकनीक और जनभागीदारी के सफल प्रयोग का प्रमाण है।

पिछले एक दशक में विज्ञान और तकनीक ने बाघ संरक्षण की तस्वीर बदल दी है। पहले जहां वनकर्मियों को कई दिनों तक जंगलों में पैदल घूमकर पगचिह्नों के आधार पर अनुमान लगाना पड़ता था, वहीं आज कैमरा ट्रैप, एआई, ड्रोन, सैटेलाइट निगरानी, जीपीएस कॉलर और डिजिटल डेटा विश्लेषण जैसी आधुनिक तकनीकों ने संरक्षण कार्य को अधिक सटीक, पारदर्शी और प्रभावी बना दिया है। कैमरा ट्रैप आज बाघ संरक्षण का सबसे विश्वसनीय उपकरण माना जाता है। ये विशेष कैमरे मोशन सेंसर की सहायता से किसी भी वन्यजीव की तस्वीर या वीडियो स्वतः रिकॉर्ड कर लेते हैं। बाघों की पहचान उनके शरीर पर बनी धारियों से होती है और प्रत्येक बाघ की धारियां मनुष्य के फिंगरप्रिंट की तरह अलग होती हैं। कैमरा ट्रैप से प्राप्त तस्वीरों के आधार पर वैज्ञानिक प्रत्येक बाघ की अलग पहचान कर उसकी गतिविधियों, क्षेत्र, प्रजनन और संख्या का सटीक आकलन कर पाते हैं। यही कारण है कि भारतीय बाघ गणना आज दुनिया की सबसे बड़ी वैज्ञानिक वन्यजीव निगरानी परियोजनाओं में गिनी जाती है।

दरअसल, कैमरा ट्रैप से हर वर्ष लाखों तस्वीरें और वीडियो प्राप्त होते हैं। पहले इनका विश्लेषण करने में महीनों लग जाते थे, लेकिन अब एआई आधारित सॉफ्टवेयर कुछ ही घंटों में यह पहचान लेते हैं कि तस्वीर में बाघ है, तेंदुआ है, हाथी है या कोई अन्य वन्यजीव। इतना ही नहीं, एआई बाघों की धारियों का विश्लेषण करके उनकी व्यक्तिगत पहचान भी सुनिश्चित कर सकता है। इससे गणना अधिक सटीक हुई है और समय की उल्लेखनीय बचत हुई है।

मशीन लर्निंग आधारित प्रणालियां बाघों की गतिविधियों का विश्लेषण कर यह बताने में सक्षम हैं कि किसी क्षेत्र में मानव-बाघ संघर्ष की आशंका कितनी है, किस दिशा में बाघों का आवागमन बढ़ रहा है और किन इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता है। इस प्रकार एआई भविष्य की संभावित चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। घने जंगलों में ड्रोन तकनीक उपयोगी सिद्ध हुई है। आधुनिक ड्रोन उच्च गुणवत्ता वाले कैमरों और थर्मल इमेजिंग सिस्टम से लैस होते हैं, जिससे वे रात के समय भी जंगलों की निगरानी कर सकते हैं। इनके माध्यम से अवैध शिकार करने वालों की गतिविधियों पर नजर रखी जाती है और जंगलों में आग लगने की प्रारंभिक जानकारी मिल सकती है। इससे दुर्गम क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच बनाई जा सकती है। वहीं, अंतरिक्ष से प्राप्त चित्रों के आधार पर जंगलों में हो रहे परिवतर्नों की लगातार निगरानी की जाती है। यदि कहीं अवैध कटाई, अतिक्रमण या वन क्षेत्र में कमी दिखाई देती है तो संबंधित एजेंसियां तत्काल कारर्वाई कर सकती हैं। इससे बाघों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने में सहायता मिल रही है।

आज अधिकांश टाइगर रिजर्व में वनकर्मी जीपीएस आधारित मोबाइल एप्लीकेशन की सहायता से गश्त करते हैं। उनकी गतिविधियां डिजिटल रूप से रिकॉर्ड होती हैं। किस क्षेत्र में कितनी गश्त हुई, कहां वन्यजीव दिखाई दिए, कहां संदिग्ध गतिविधियां मिलीं—सारी जानकारी तुरंत नियंत्रण कक्ष तक पहुंच जाती है। डिजिटल डेटा के विश्लेषण से सुरक्षा रणनीति तैयार की जाती है। कुछ बाघों को विशेष जीपीएस रेडियो कॉलर भी पहनाए जाते हैं। इनके माध्यम से वैज्ञानिक उनकी लोकेशन, आवागमन, प्रजनन क्षेत्र और भोजन की तलाश से जुड़ी जानकारी प्राप्त करते हैं। यदि कोई बाघ मानव बस्तियों की ओर बढ़ रहा हो तो वन विभाग पहले से सतर्क होकर जरूरी कदम उठा सकता है। भोजन या नए क्षेत्र की तलाश में कभी-कभी बाघ गांवों तक पहुंच जाते हैं, जिससे मानव-बाघ संघर्ष की घटनाएं सामने आती हैं। अब एआई आधारित चेतावनी प्रणाली से संबंधित गांवों और वन अधिकारियों को तुरंत सूचना भेजी जाती है। इससे ग्रामीण सतर्क हो जाते हैं।

बाघों के सामने आज सबसे बड़ा खतरा अवैध शिकार और वन्यजीव तस्करी है। अब एआई संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण करता है, ड्रोन जंगलों की निगरानी करते हैं और कैमरा ट्रैप संदिग्ध गतिविधियों की तस्वीरें रिकॉर्ड करते हैं। वहीं, डिजिटल नेटवर्किंग से वन अपराधियों के खिलाफ कारर्वाई पहले की तुलना में अधिक प्रभावी हुई है। भारत ने प्रोजेक्ट टाइगर के माध्यम से दुनिया में संरक्षण की एक नई मिसाल पेश की है।

लेखक विज्ञान और पर्यावरण मामलों के जानकार हैं।

नाविकों की सुरक्षा के लिए कारगर कूटनीतिक पहल जरूरी

एडमिरल अरुण प्रकाश (रिटायर्ड)

दुनिया में जारी संघर्षों के बीच तटस्थ व्यापारिक जहाजों तथा उन पर कार्यरत भारतीय नाविकों पर बढ़ते हमले समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। ऐसे में भारत को कूटनीतिक पहल करनी जरूरी है। रूस-यूक्रेन और अमेरिका-ईरान युद्ध में शामिल दोनों पक्षों के प्रति एक समान रुख रखा जाए। उन्नीस जुलाई को, यूक्रेन के पास समुद्री रास्ते से गुजर रहे गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज पर रूसी क्रूज मिसाइलों के हमले में मारे गए 10 परिचालन दल में 4 भारतीय नाविक भी थे। इससे पहले, काला सागर में रूसी जलक्षेत्र से गुजरते समय एक व्यापारिक जहाज पर हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी। अप्रैल से अब तक, काला सागर में व्यापारिक जहाजों पर हमलों में पांच भारतीय समुद्री कर्मियों ने जान गंवाई है।

इससे पहले फारस की खाड़ी में भी हालात बहुत तनावपूर्ण रहे, जहां होर्मुज जलडमरूमध्य में हुए हमलों में सात भारतीय समुद्री कमर्चारी मारे गए- अमेरिकी नौसेना के मिसाइल हमलों में तीन और ईरानी ड्रोन हमलों में चार मरे। आज, दुनियाभर में 3,00,000 से ज़्यादा भारतीय नागरिक व्यापारिक जहाजरानी में काम कर रहे हैं;वे सब खतरे में हैं।

तटस्थ देशों के व्यापारिक जहाजों और उनके परिचालन दल को निशाना बनाना नैतिकता का सवाल उठाता है, जिसका संबंध चल रहे संघर्षों के गुण-दोष से नहीं -ये झगड़े अब कभी न खत्म होने वाले लगते हैं और इनकी शुरुआत की वजह भी धुंधली पड़ चली है। सैन रेमो मैनुअल में सशस्त्र संघर्ष के नियमों को लेकर एक स्पष्ट रेखा खींची गई है। हालांकि युद्ध में शामिल पक्षों को दुश्मन के व्यापारिक जहाजों या दुश्मन के लिए प्रतिबंधित सामान ले जाने वाले जहाजों को रोकने, उन पर चढ़कर तलाशी लेने और जब्ती की इजाजत है लेकिन अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत तटस्थ मुल्कों का झंडा लगे,तीसरे देश के नागरिकों से बने परिचालन दल और आम नागरिकों का सामान ले जाने वाले मर्चेंट जहाज पर हमला नहीं किया जा सकता। चेतावनी या बिना चेतावनी मिसाइल से व्यापारिक जहाज पर हमले को युद्ध कानूनों के हर पहलू का मार्गदर्शन करने वाले जुड़वां सिद्धांतों- सैनिकों और नागरिकों के बीच अंतर और आनुपातिकता-के तहत सही ठहराना बहुत मुश्किल है। किसी देश की घरेलू कानूनी प्रणाली (संयुक्त राष्ट्र के बजाय) द्वारा लगाए प्रतिबंधों का अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत कोई कानूनी आधार नहीं। इसलिए, व्यापारिक समुद्री कर्मियों पर हमला करने और हत्या करने को ह्यकोलेटरल डैमेजह्न यानी अनजाने में हुआ नुकसान नहीं कहा जा सकता।

ऐसे निंदनीय कृत्यों की गंभीरता तब और बढ़ जाती है जब विदेशी जलक्षेत्र में समुद्री कर्मियों के पास कोई अधिकार या मदद नहीं हो, और अक्सर उन्हें दूतावासीय मदद भी नहीं मिलती। यदि युद्धग्रस्त जलक्षेत्र में तटस्थ जहाजों को निशाना बनाना सामान्य बन जाए, तब दुनिया से मुक्त समुद्री आवाजाही खत्म हो जाएगी। यह अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने को एक बुनियादी और अनिवार्य अंग है, जिस पर खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक व्यापार एवं अर्थव्यवस्था टिकी है। एक तटस्थ देश के जहाज पर होने वाला हर हमला अगले जहाज के खिलाफ जवाबी कारर्वाई को सामान्य और जायज बनाता है। तो, इस खतरनाक चलन को रोकने,पलटने के लिए भारत और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के पास कौनसे कूटनीटिक या कानूनी तरीके हैं?

पहला, कड़े विरोध-पत्र जारी करना और अत्यंत कठोर शब्दों में सार्वजनिक नाराजगी जताना जारी रखना चाहिए और तीव्रता बढ़ाते जाएं। रूस-यूक्रेन और साथ ही अमेरिका-इस्राइल-ईरान युद्ध में शामिल पक्षों पर समान रूप से कूटनीतिक दबाव डाला जाए ताकि चुनिंदा मामलों में ही नाराजगी दिखाने के आरोप न लगें।

दूसरा, भारत अंतर्राष्ट्रीय नौवहनीय संगठन (आईएमओ) से मांग करे और दबाव डाले कि वह आवश्यक खाद्य एवं ऊर्जा आपूर्ति ले जाने वाले व्यापारिक जहाजों के लिए वास्तविक समय में कोई भी हमला प्रतिबंधित करने वाली अधिसूचन जारी करे और सुरक्षित गलियारे की निशानदेही कर उसपर अमल करवाए। काला सागर से अनाज निर्यात के लिए जो व्यवस्था पहले से है, उसे संघर्षरत अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाए और स्वतंत्र निगरानी संग सख्ती से लागू हो।

तीसरा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ऐसा बाध्यकारी प्रस्ताव लाने पर जोर दिया जाए जो पुनः सुनिश्चित करता हो कि तटस्थ मुल्कों के, आम नागरिकों से बने परिचालन दल वाले व्यापारिक जहाज नौसैनिक युद्ध कानूनों के तहत सुरक्षित वर्ग में हैं, और मनमाने हमलों को युद्ध अपराध माना जाएगा और उनकी जांच की जाएगी।

चौथा, भारत बतौर एक पसंदीदा सुरक्षा भागीदार उन अन्य देशों के साथ मिलकर काम करे जिनके नाविकों को खतरा है, ताकि तेजी से कारर्वाई और लोगों को सुरक्षित निकालने की क्षमता बनाई जा सके। इस योजना के तहत, नौसेना या तटरक्षक बल की टुकड़ियों को उन संवेदनशील इलाकों (जैसे होर्मुज, ओमान खाड़ी, अदन की खाड़ी, काला सागर के रास्ते) के पास तैनात कर सकते हैं, जहां से प्रभावित नाविकों को सुरक्षित निकालने का काम किया जा सके।

आखिर में, सरकारी एजेंसियों को इस पर जोर देना चाहिए कि जहाज के मालिक अपने नाविकों को यात्रा के दौरान युद्ध के जोखिम बारे पहले से बताएं और उन्हें बिना नौकरी खोए युद्धग्रस्त क्षेत्र में ड्यूटी से इंकार करने का हक दें। जो लोग स्वेच्छा से काम करने के लिए तैयार हों, उन्हें खतरों की जानकारी और युद्ध-जोखिम बीमा दिया जाए। व्यापारिक नाविकों की परेशानी जिस बड़ी समस्या का एक लक्षण भर है, वह है: शक्तिशाली देशों द्वारा स्थापित नियमों व अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की सरेआम अनदेखी। लंबे समय से, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय उन नेताओं का सामना करने में कमजोर रहा जो ऐसे बर्ताव करते हैं मानो वे कानून से ऊपर हों- यह सामूहिक विफलता है जो सदियों से प्रचलित कूटनीतिक विकासक्रम को खत्म करने का खतरा पैदा कर रही है।

जबसे 1648 की वेस्टफेलिया संधि ने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के आधार के तौर पर देशों की संप्रभुता व गैर-हस्तक्षेप को स्थापित किया, तब से राष्ट्र युद्ध के नियमों को तय करते आए हैं। हेग कन्वेंशन ने युद्ध संचालन के नियम बनाए; जिनेवा कन्वेंशन ने नागरिकों, घायलों और युद्धबंदियों को सुरक्षा दी;और सैन रेमो मैनुअल ने इन सुरक्षा उपायों को नौसैनिक युद्ध तक विस्तारित किया। आखिर, संयुक्त राष्ट्र चार्टर ने सुरक्षा परिषद और महासभा के जरिये एक सामूहिक सुरक्षा ढांचा बनाया ताकि आक्रामकता, नरसंहार और युद्ध अपराधों को संज्ञेय व दंडनीय अपराध माना जा सके। ऐसे कई संकेत मिल रहे हैं कि यह ढांचा तेजी से ढह रहा है। सबसे पहले 2014 में रूस ने क्रीमिया पर जबरदस्ती कब्जा किया, जिसमें बेबुनियाद क्षेत्रीय दावों का हवाला दिया और यूक्रेनी संप्रभुता के उल्लंघन की आलोचना को धता बताया। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की कमजोर प्रतिक्रिया ने निस्संदेह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को प्रोत्साहित किया।

इसके बाद इस्राइल का युद्ध आया, जो ऊपरी पर हमास और हिज़्बुल्लाह के खिलाफ था। इसने गाजा की आम आबादी को भारी नुकसान पहुंचाया और इसे नरसंहार अभियान के तौर पर देखा गया। जब दुनिया चुपचाप तमाशा देखती रही, तब अमेरिका-इजस्राइल गठबंधन ने इस साल 28 फरवरी को ईरान पर बिना किसी उकसावे जबरदस्त हमला किया और शुरुआती 12 घंटों में ही लगभग 900 हमले किए। स्कूलों समेत आम लोगों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया; ईरान के धार्मिक और राजनीतिक नेताओं की सैन्य साधनों से हत्या कर दी गई;तत्पश्चात अमेरिका और ईरान, दोनों ने फारस की खाड़ी में तटस्थ जहाजों पर हमले शुरू कर दिए। वर्ष 2022 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था कि आज का युग, युद्ध का नहीं है। युद्ध तब होते हैं जब ताकतवर देश ऐतिहासिक और पारंपरिक अंतर्राष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी करते हैं। मौजूदा संघर्षों में, भारत ने अब तक समझदार रुख और तटस्थता बनाए रखने की कोशिश की है।

दक्षिणी दुनिया के अग्रणी राष्ट्र और खुद को विश्वगुरु मानने वाले देश के तौर पर, भारत को अब सभी लड़ने वाले पक्षों को सख्ती से बताना चाहिए : उनकी ज़िद्द विश्वभर को तकलीफ पहुंचा रही है और दुनिया का सब्र अब तेजी से जवाब दे रहा है।

लेखक पूर्व नौसेनाध्यक्ष हैं।

सनातन और हिन्दुओं की आस्था से खिलवाड़ का खतरनाक सिलसिला

अजय कुमार

बात 28 मई 1996 की है। लोकसभा में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी अपनी सरकार के लिए विश्वास मत हासिल करने के दौरान संसद में भाषण दे रहे थे। इसी भाषण में उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को राम मंदिर/अयोध्या मुद्दे पर चेताया था कि आपको बीजेपी से लड़ना है, राम से मत लड़िए। उसी दौरान पीछे बैठे किसी सांसद की तरफ से आवाज आई कि राम से लड़ोगे तो निपट जाओगे। जैसी टिप्पणी का उल्लेख भी वायरल रूप में मिलता है, लेकिन यह शब्द कहने वाले का चेहरा सामने नहीं आया। परंतु हकीकत यही रही कि कांग्रेस प्रभु श्री राम से लड़ते-लड़ते अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गई है। कांग्रेस ने कभी राम के अस्तित्व को नकारा तो कभी राम सेतु के बारे में गलत बयानी की। यहां तक कि कांग्रेस के नेता और प्रधानमंत्री अयोध्या जाने तक से कतराते थे। अयोध्या जाते भी तो प्रभु श्री राम के दर्शन नहीं करते थे। यही क्रम आज भी चल रहा है।

रामलला के मंदिर में चंदा चोरी की घटना के नाम पर आज भी कांग्रेस ऐसा ही कर रही है। चंदा चोरी के बहाने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने सनातन और हिन्दुओं की आस्था को तार-तार करने की सभी हदें पार कर ली हैं। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए जाने वाले चढ़ावे और दानपात्र से हुई कथित गड़बड़ी का मुद्दा इस समय देश की राजनीति के केंद्र में है। जहां एक तरफ अयोध्या में ट्रस्ट और पुलिस प्रशासन इस पूरे मामले की गहन जांच में जुटा है और विशेष जांच टीम गठित कर संदिग्ध कर्मचारियों व सेवादारों की भूमिका खंगाल रही है, वहीं दूसरी ओर सनातन प्रेमी जनता और साधु-संतों में इस बात को लेकर भारी रोष है कि जांच के निष्कर्षों की प्रतीक्षा किए बिना संपूर्ण साधु समाज और सनातन परंपरा को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। अयोध्या के सम्मानित संतों का स्पष्ट कहना है कि किसी भी मंदिर परिसर में यदि कोई आपराधिक तत्व या कमर्चारी गलत कार्य में लिप्त पाया जाता है, तो उसे कठोरतम दंड मिलना चाहिए, लेकिन उस बहाने भारत की हजारों वर्ष पुरानी साधु-संत परंपरा और भगवा वस्त्रों का राजनीतिक तमाशा बनाना सवर्था अनुचित है।

संसद के मानसून सत्र के दौरान जिस प्रकार का दृश्य देखने को मिला, उसने पूरे देश के सनातन प्रेमी समाज को स्तब्ध और आक्रोशित कर दिया है। संसद परिसर के मकर द्वार पर पूणिर्या से निदर्लीय सांसद पप्पू यादव को भगवा वस्त्र पहनाकर, माथे पर तिलक लगाकर और हाथ में दानपात्र थमाकर एक साधु की वेशभूषा में बैठाया गया। इसके बाद विपक्ष के नेताओं द्वारा एक पूर्वनियोजित नाटक (स्किट) मंचित किया गया, जिसमें तथाकथित साधु रूपी सांसद को दानपेटी में आए पैसों को अपनी जेब में डालते और फिर दानपात्र लेकर भागते हुए दिखाया गया।

इस पूरे राजनीतिक नाटक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव, सपा के अयोध्या (फैजाबाद) से सांसद अवधेश प्रसाद समेत इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। राहुल गांधी ने उस नाटक में बाकायदा दान देने का अभिनय किया, जिसके बाद अखिलेश यादव की पार्टी के नेताओं और अन्य विपक्षी सहयोगियों ने इस पूरे घटनाक्रम का आनंद लेते हुए नारेबाजी की ।इस पूरे प्रकरण पर जब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर इस प्रदर्शन का समर्थन किया, तो देश भर के अखाड़ों, विद्वानों और नागरिकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

जनमानस का मानना है कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराने के अनेक संवैधानिक और मर्यादित तरीके मौजूद हैं। परंतु भारत के सवोर्च्च विधायी सदन, संसद भवन के परिसर का उपयोग इस प्रकार के निम्नस्तरीय नाटकों और भगवाधारी संतों की छवि को चोर के रूप में चित्रित करने के लिए करना संसदीय मर्यादाओं का चीरहरण है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सदन और उसके परिसर में इस प्रकार वेश बदलकर नौटंकी करने पर अपनी सख्त नाराजगी जताई और स्पष्ट शब्दों में कहा कि संसद भवन देश के नीतिगत मुद्दों और जनसमस्याओं पर चर्चा के लिए है, न कि इस तरह के तमाशों के लिए। कानूनी विशेषज्ञों और संतों का मानना है कि धार्मिक प्रतीकों, भगवा वस्त्रों और साधु वेश का सार्वजनिक अपमान कर करोड़ों सनातनियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इस कृत्य पर सवोर्च्च अदालत को स्वयं संज्ञान लेते हुए कड़ी कारर्वाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी राजनीतिक लाभ के लिए देश की आस्था का ऐसा उपहास न उड़ाया जा सके।

सनातन धर्म और उसकी परंपराओं को कटघरे में खड़ा करने या उनके खिलाफ रणनीतिक बयानबाजी करने का विपक्ष का यह कोई पहला प्रयास नहीं है। इतिहास साक्षी है कि पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक लाभ साधने के लिए कई बार ऐसी बयानबाजियां की गईं, जिनसे बहुसंख्यक समाज की आस्था को ठेस पहुंची।

भगवा आतंकवाद जैसा भ्रामक शब्द गढ़ने से लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों पर विवादित टिप्पणियां करने और उसकी प्रतियों को जलाने तक का घटनाक्रम देश ने देखा है। तमिलनाडु में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना मलेरिया, डेंगू और कोरोना से करते हुए इसे मिटाने का आह्वान करना और उस पर कांग्रेस व अन्य विपक्षी सहयोगियों की चुप्पी या अप्रत्यक्ष समर्थन, सनातन के प्रति उनकी सोच को उजागर करता है। कभी प्रभु श्री राम के अस्तित्व को अदालत में काल्पनिक बताने वाला हलफनामा देना, तो कभी अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण के समय उसे केवल राजनीतिक चुनावी मुद्दा बताकर उसका बहिष्कार करना; यह पूरी श्रृंखला दर्शाती है कि विपक्ष का एक वर्ग वैचारिक रूप से सनातन प्रतीकों के प्रति आक्रामक रहा है। संसद के इस हालिया प्रदर्शन में एक और पहलू ने देश की जागरूक जनता को गहराई से सोचने पर मजबूर किया है। वह है गैर-हिंदू और मुस्लिम नेताओं की इस तरह के धार्मिक प्रतीकों से जुड़े विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय भागीदारी।

जब भी किसी अन्य धर्म या संप्रदाय के प्रतीकों, मान्यताओं या वेशभूषा की बात आती है, तो विपक्ष की ओर से सहिष्णुता, गंगा-जमुनी तहजीब और धार्मिक संवेदनशीलता के लंबे-चौड़े भाषण दिए जाते हैं। परंतु जब भगवा वस्त्र, साधु वेश और राम मंदिर जैसे विषय आते हैं, तो वही नेता अन्य धर्मों के सहयोगियों को साथ लेकर सार्वजनिक मंचों पर उनका उपहास उड़ाने में तनिक भी संकोच नहीं करते। किसी गैर-हिंदू नेता द्वारा सनातन धर्म के पूज्य प्रतीकों का मजाक उड़ाते हुए ताली बजाना या उस नाटक का हिस्सा बनना हिंदू समाज के भीतर एक गहरा अविश्वास पैदा करता है। यह दोहरा मापदंड न केवल समाज के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा केवल एक विशेष धर्म की आस्थाओं का अपमान करने तक ही सीमित रह गई है?

अयोध्या के मुख्य अर्चक, अखाड़ा परिषद और काशी-मथुरा के प्रमुख संतों ने इस घटना के बाद एक स्वर में कहा है कि यदि राम मंदिर के किसी दानपात्र या प्रबंधन में कोई वित्तीय अनियमितता हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच हो और दोषी, चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे जेल भेजा जाए। संत समाज स्वयं पारदशिर्ता का पक्षधर है। लेकिन इस घटना की आड़ लेकर पूरी संत परंपरा को भ्रष्ट, लुटेरा और चंदा चोर साबित करने की जो साजिश संसद के प्रांगण में रची गई, वह अक्षम्य है। जिस साधु वेश ने भारत को चरित्र, त्याग, ज्ञान और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया, उस भगवा को संसद के मुख्य द्वार पर चोरी का प्रतीक बनाकर पेश करना भारतीय संस्कृति पर सीधा प्रहार है। देश का सनातन प्रेमी समाज आज विपक्ष से यह सीधा प्रश्न पूछ रहा है कि आखिर राजनीतिक वैमनस्य में अंधे होकर देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आत्मा पर वार करने का यह सिलसिला कब थमेगा?

30 साल बाद रोमानिया पहुंची भारतीय राष्ट्रपति, सांसद विजय बघेल रहे प्रतिनिधिमंडल में शामिल

विदेश यात्रा से लौटने पर रायपुर एयरपोर्ट पर हजारों कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नेतृत्व में मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा से लौटे। छत्तीसगढ़ आगमन पर स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट, रायपुर पर हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और समर्थकों ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और जयघोष के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

एयरपोर्ट से सांसद निवास तक स्वागत रैली निकाली गई। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने अभिनंदन किया। सांसद निवास में साजा विधायक ईश्वर साहू, डोमनलाल कोर्सेवाड़ा विधायक अल्का बाघमारे, भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, पुरुषोत्तम देवांगन, प्रीतपाल बेलचंदन सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

ऐतिहासिक यात्रा, नए सहयोग के द्वार खुलेंगे

सांसद विजय बघेल ने कहा कि राष्ट्रपति के साथ आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल में शामिल होना उनके सार्वजनिक जीवन का गौरवपूर्ण क्षण रहा। यात्रा के दौरान व्यापार, निवेश, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और रणनीतिक सहयोग पर उच्चस्तरीय चर्चा हुई। इससे भारत और इन तीनों देशों के संबंधों को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान इन देशों ने भारतीय विद्यार्थियों, विशेषकर मेडिकल छात्रों को सहयोग देकर मानवीय संवेदना दिखाई। यही आत्मीयता आज संबंधों की आधारशिला है।

तीनों देशों की यात्रा में रहे ये खास बिंदु

– लगभग 30 वर्षों बाद किसी भारतीय राष्ट्रपति ने रोमानिया की राजकीय यात्रा की।

– मोल्दोवा की यात्रा करने वाली द्रौपदी मुर्मू पहली भारतीय राष्ट्रपति बनीं।

– लोकसभा से 3 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में सांसद विजय बघेल के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री निमुबेन बांभनिया और राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा भी शामिल रहे।

सांसद बघेल ने विश्वास जताया कि इस यात्रा से भारत को व्यापार, निवेश, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दीर्घकालिक लाभ मिलेंगे और वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और सुदृढ़ होगी।

खास खबर

फिरोज अंसारी अध्यक्ष, शिवनारायण धकेता सचिव और वीरेंद्र सिंह भाटिया कोषाध्यक्ष निर्विरोध हुए निर्वाचित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

हॉकी की नसर्री के रूप में प्रसिद्ध राजनांदगांव जिला हॉकी संघ की वार्षिक आमसभा एवं निर्वाचन प्रक्रिया द सिंग होटल में सम्पन्न हुई। केंद्र सरकार की नई खेल नीति के तहत गठित निर्वाचन में सभी पदाधिकारियों को निविरीध चुना गया।

नई कार्यकारिणी गठित : निर्वाचन अधिकारी गुनेंद्र कुमार साव ने परिणाम घोषित किए। **अध्यक्ष:** फिरोज अंसारी, **उपाध्यक्ष:** भूषण साव, दौलत सिंह चंदेल, आशा थॉमस, **सचिव:** शिवनारायण धकेता, **सह-सचिव:** महेंद्र सिंह ठाकुर, अनुराग श्रीवास्तव, गुणवंत पटेल, बबीता लिल्हारे, **कोषाध्यक्ष:** वीरेंद्र सिंह भाटिया, **कार्यकारिणी सदस्य:** कुमार स्वामी, गणेश प्रसाद शर्मा, संदीप सिंह ग्रेवाल, शबनम बानो खान, खुशाल यादव सहित अन्य सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को महापौर मधुसूदन यादव के मुख्य आतिथ्य में प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

महापौर ने दी बधाई, सहयोग का भरोसा : महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि राजनांदगांव को देशभर में हॉकी की नसर्री के रूप में पहचान मिली है। यह गौरवशाली परंपरा हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि नई कायर्कारिणी हॉकी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। हॉकी के विकास के लिए नगर निगम और व्यक्तिगत स्तर पर हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

पूर्व महापौर और वरिष्ठ खिलाड़ियों की मौजूदगी : पूर्व महापौर नरेश डाकलिया ने फिरोज अंसारी के दूसरी बार निविरीध अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए कहा कि उनके समर्पण से जिले की हॉकी को नई दिशा मिली है। कार्यक्रम में वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी कुतुबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, छत्तीसगढ़ हॉकी उपाध्यक्ष एम.वाई. कुरैशी, जिला ओलंपिक संघ पयर्वेक्षक अरुण शुक्ला, छत्तीसगढ़ हॉकी पयर्वेक्षक अनूप श्रीवास्तव, जिला खेल अधिकारी ए. एक्का सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और खिलाड़ी उपस्थित थे।

संघ ने 1969 से निभाई भूमिका : नवनिर्वाचित अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि जिला हॉकी संघ 1969 से सक्रिय है। पिछले 10 वर्षो से राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जिले के 5 से 10 खिलाड़ी हर वर्ग में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों के साथ मिलकर हॉकी को बढ़ावा देने का कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन विकास वैष्णव ने किया जबकि आभार प्रदर्शन नवनिर्वाचित सचिव शिवनारायण धकेता ने किया।

स्टील प्लांट ब्लास्ट में दो घायल की मौत

रायगढ़। बीते दिनों मां शिवा स्टील प्लांट में इंडक्शन फर्नेस में बायलिंग होने से पांच श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए थे, जिससे दो श्रमिकों की स्थिति गंभीर होने पर रायपुर रेफर किया गया था, जहां उपचार के दौरान दो श्रमिकों की मौत हो गई है। वहीं तीन श्रमिकों की अभी उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार विगत चार दिन पहले पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में स्थित मां शिव स्टील प्लांट में प्रतिदिन की तरह काम में लगे हुए थे, इसी दौरान अचानक इंडक्शन फर्नेस में बॉयलिंग हो गया, जिससे वहां पर काम कर रहे प्रमोद सोनी, चौखट सिंह, गुड्डू कुमार चतूर यादव और शनिराम राठिया गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही अन्य श्रमिकों ने इसकी सूचना प्लांट मालिक को देते हुए सभी पांचों घायलों को उपचार के लिए जिंदल फोर्टिस लेकर आए।

बीएसपी और भिलाई टाउनशिप को बचाने सड़क पर उतरे कांग्रेसी, छेड़ दिया आंदोलन

जिला कांग्रेस की चार दिवसीय पदयात्रा शुरू, मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ता शामिल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र और भिलाई टाउनशिप को बचाने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी भिलाई ने निर्णायक आंदोलन छेड़ दिया है। जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में रविवार से चार दिवसीय पदयात्रा की शुरुआत हुई।

हनुमान मंदिर से हुई शुरुआत

सेक्टर 9 मेन हॉस्पिटल स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद कांग्रेसी पंडित रविशंकर शुक्ल प्रतिमा स्थल पर एकत्र हुए। यहां वरिष्ठ नेताओं ने भिलाई को बचाने का संकल्प लिया। इसके बाद हाथों में बैनर और झंडे लेकर हजारों कार्यकर्ताओं की पदयात्रा शुरू हुई। नारेबाजी के साथ निकली भीड़ को देखकर लगा मानो सड़क पर सैलाब उमड़ पड़ा हो।

वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी

पदयात्रा में ताम्रध्वज साहू, बीडी कुरैशी, अरुण वोरा, नीरज पाल, नीता लोधी, प्रतिमा चंद्राकर, देवेंद्र यादव, प्रदीप बाकलीवाल, जितेंद्र साहू, गिरवर साहू, इरफान खान, बृजमोहन सिंह, अतुल साहू, सीजू एंथोनी सहित जिला और ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

"भिलाई की पहचान मिटने नहीं देंगे"

रविशंकर शुक्ल प्रतिमा स्थल पर सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भिलाई की पहचान आज पूरी दुनिया में है। मिनी इंडिया के रूप में यहां देशभर के लोग शांतिपूर्वक रह रहे हैं। भाजपा सरकार इसे खत्म करना चाहती है। वक्ताओं ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र और टाउनशिप को बचाने के लिए जरूरत पड़ी तो बलिदान देने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

नागरिकों का मिला समर्थन

पदयात्रा रिसाली, मरोदा, सेक्टर क्षेत्र, सुपेला और रामनगर होते हुए आगे बढ़ी। जगह-जगह नागरिकों ने कांग्रेसियों का माला पहनाकर स्वागत किया और समर्थन दिया। पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों के बीच पर्चे भी बांटे, जिसमें राष्ट्रपति को सौंपे जाने वाले ज्ञापन की मांगों का उल्लेख है। देर शाम पदयात्रा जवाहर नगर स्थित मगध तेली समाज भवन पहुंची, जहां रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई थी।

भिलाई में सार्वजनिक स्थान पर महिला से छेड़छाड़, आरोपी हेमंत क्षत्रिय गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

चौकी स्मृतिनगर पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर महिला से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पीड़िता ने 01 अगस्त 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि 31 जुलाई 2026 की रात करीब 10:30 बजे वह अपनी सहेलियों के साथ मॉडल टाउन स्थित शनि मंदिर के पास चाय की दुकान पर थी। इसी दौरान आरोपी हेमंत क्षत्रिय वहां पहुंचा और बुरी नियत से पीड़िता के साथ छेड़छाड़ करने लगा।

रिपोर्ट के आधार पर थाना सुपेला, चौकी स्मृतिनगर में अपराध क्रमांक 1104/2026 धारा 74 इठर के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तुरंत आरोपी की तलाश शुरू की। घटना स्थल के आसपास लगे सीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। आरोपीः हेमंत क्षत्रिय, 23 वर्ष, निवासी इंदिरा नगर, गणेश मंच के पास, उड़िया मोहल्ला, मॉडल टाउन, स्मृतिनगर।

दुर्ग पुलिस ने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सवीच्च प्राथमिकता है। ऐसे मामलों में त्वरित, संवेदनशील और सख्त वैधानिक कार्रवाई लगातार की जा रही है।

महासमुंद में 8 बाल अपराधी फरार, प्रशासन में हड़कंप

महासमुंद। जिले के बरोंड़ा बाजार स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से सोमवार तड़के 8 नाबालिग फरार हो गए। सभी करीब 2 से 3 बजे के बीच खिड़की की ग्रील तोड़कर परिसर से भाग निकले। इस घटना के बाद अब संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस संप्रेक्षण गृह से भागे लड़कों की तलाश में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, फरार हुए सभी नाबालिग पिछले 4 से 5 महीनों के दौरान विभिन्न आपराधिक मामलों में बाल संप्रेक्षण गृह भेजे गए थे। इनमें एक बालक दुष्कर्म, दो चोरी के मामलों में निरुद्ध थे, जबकि अन्य पर एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। फरार नाबालिगों का संबंध महासमुंद, सरायपाली, धमतरी और ओडिशा के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, महिला एवं बाल विकास विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

गुरु का मार्गदर्शन जीवन की हर समस्या का समाधान है : आचार्य डॉ. अजय आर्य

आर्य समाज में गुरु पूणिर्मा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपरा के अनुरूप हर्षोल्लास से मनाया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आर्य समाज मंदिर में गुरु पूणिर्मा का पर्व श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपरा के अनुरूप हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वैदिक यज्ञ, वेदमंत्रों के सस्वर उच्चारण, सत्यार्थ प्रकाश के वाचन तथा प्रेरक प्रवचनों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक चेतना से अनुप्राणित हो उठा। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरु परंपरा के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की।

मुख्य वक्ता के रूप में आर्य समाज के सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का पथप्रदर्शक होता है। गुरु मनुष्य को बाहरी उपलब्धियों से आगे बढ़कर आत्मबोध, विवेक और सत्य का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि संसार में अनेक समस्याओं का मूल कारण सही मार्गदर्शन का अभाव है और गुरु का सान्निध्य ही जीवन को दिशा, संतुलन और उद्देश्य प्रदान करता है।

अपने उद्बोधन को रोचक बनाते हुए उन्होंने उन्नीस घोड़ों की प्रसिद्ध कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि एक पिता ने अपने उन्नीस घोड़ों का बँटवारा अपने तीन पुत्रों के बीच निश्चित अनुपात में करने की इच्छा व्यक्त की थी, किंतु वह विभाजन संभव नहीं हो पा रहा था। तब एक ज्ञानी गुरु ने अपना एक घोड़ा उसमें जोड़ दिया। घोड़ों की संख्या बीस होते ही बँटवारा सरलता से हो गया और अंत में गुरु का घोड़ा सुरक्षित वापस ले लिया गया। इस कथा का आध्यात्मिक संदेश स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन भी अनेक उलझनों से घिरा रहता है। जब तक उसमें गुरु का ज्ञान और अध्यात्म का एक अतिरिक्त आयाम नहीं जुड़ता, तब तक जीवन की समस्याएँ उलझी रहती हैं। गुरु का ज्ञान जुड़ते ही वही परिस्थितियाँ सहज समाधान में बदल जाती हैं।

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने विशेष रूप से वतर्मान युवा पीढ़ी जेन-जी को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें आधुनिकता या प्रगतिशील सोच से कोई विरोध नहीं है। विज्ञान, तकनीक और नवीन विचारों का स्वागत होना चाहिए, किंतु अपनी संस्कृति, परिवार और नैतिक मूल्यों की कीमत पर नहीं। उन्होंने कहा कि आधुनिकता तभी सार्थक है जब वह मनुष्य को अपनी जड़ों से जोड़े रखे।

उन्होंने युवाओं के सामने पतंग का अत्यंत प्रेरक उदाहरण रखते हुए कहा कि आकाश में ऊँचा उड़ना ही सफलता नहीं है। सबसे अधिक सम्मान उस पतंग को मिलता है जो ऊँची उड़ान भरते हुए भी अपनी डोर से जुड़ी रहती है। डोर टूटते ही पतंग कुछ क्षण तक अवश्य उड़ती दिखाई देती है, पर शीघ्र ही दिशाहीन होकर गिर जाती है। इसी प्रकार मनुष्य चाहे जितनी ऊँचाइयाँ प्राप्त कर ले, यदि उसका संबंध अपने गुरु, माता-पिता, संस्कृति, राष्ट्र और नैतिक मूल्यों से टूट जाता है, तो उसकी सफलता स्थायी नहीं रह सकती। संस्कारों की डोर से बँधी हुई प्रगति ही जीवन की वास्तविक विजय है।

कार्यक्रम में आचार्य अंकित शास्त्री एवं नंदलाल ने वैदिक मंत्रों का सस्वर उच्चारण कर वैदिक वातावरण का निर्माण किया। प्रमिला सरपाल ने सत्यार्थ प्रकाश का भावपूर्ण वाचन किया। पड़ाक आर्य ने "मैं कौन हूँ?" विषय पर आत्मा के वास्तविक स्वरूप का विवेचन करते हुए आत्मचिंतन का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ एवं सामूहिक प्राथर्ना के साथ हुआ। उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरु परंपरा के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा वैदिक संस्कृति के प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रवीण गुप्ता, अवनी भूषण पुरंग, विनोद कुमार मौर्य, दीपा गुप्ता, सुषमा सोनी, प्रमिला सरपाल, कमलेश आर्य, रवि आर्य, प्रकाश डोनेडे, आचार्य अंकित शास्त्री, धमर्पाल खंडूजा, जवाहरलाल सरपाल, ओमप्रकाश नंदलाल, धीरज शास्त्री, शिपि आर्य, राजेश कुमार सोनी, अनीता गुप्ता तथा सुषमा सोनी सहित बड़ी संख्या में आर्यजन, मातृशक्ति एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

आध्यात्मिक वर्षावास "संतों का सान्निध्य संस्कारों को परिष्कृत करता है"

जय आनंद मधुकर रतन भवन में राष्ट्र संत मणिभद्र मुनि का प्रवचन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब में चल रहे आध्यात्मिक वर्षावास के अंतर्गत रविवार को आयोजित धर्मसभा में राष्ट्र संत, नेपाल केसरी एवं मानव मिलन के संस्थापक परम पूज्य मणिभद्र मुनि महाराज ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक जीवन का संदेश दिया।

संत सान्निध्य को बताया जीवन का आधार

गुरुदेव ने कहा कि यदि आत्मा को परमात्मा की दिशा में ले जाना है तो संतों की संगति और सत्संग को जीवन का अभिन्न अंग बनाना होगा। संतों का सान्निध्य व्यक्ति के संस्कार, विचार और भावों को परिष्कृत करता है। श्रेष्ठ संस्कार ही मनुष्य को सही दिशा देते हैं और साधना के माध्यम से जीवन को सत्कर्मों तक ले जाते हैं। उन्होंने कहा "मन की निर्मलता ही आध्यात्मिक उन्नति का मूल आधार है।" जब मन पवित्र होता है तब साधना सफल होती है और जीवन में सद्भाव, संयम एवं सेवा के संस्कार विकसित होते हैं।

श्रद्धा और तर्क पर दिया जोर

मुनिश्री ने कहा कि सत्य को निष्पक्ष भाव से स्वीकार करने का साहस ही वास्तविक ज्ञान की शुरुआत है। व्यक्ति को दूसरों को गलत सिद्ध करने के बजाय स्वयं को सही बनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां श्रद्धा होती है वहां शंका नहीं रहती और जहां शंका है वहां श्रद्धा विकसित नहीं हो सकती। तर्क ज्ञान बढ़ाता है जबकि कुतर्क केवल भ्रम पैदा करता है।

धार्मिक कार्यक्रम और तपस्या

धर्मसभा का शुभारंभ संत पुनीत मुनि जी महाराज ने भक्ति गीतों से किया। साध्वी श्री लक्ष्मी जी महाराज ने भी प्रवचन दिया। बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं और आध्यात्मिक जीवन को श्रेष्ठ बनाने का संकल्प लिया। भवन में वतर्मान में श्री टीकाराम-श्रीमती सुनीता भंडारी, पूनम देशलहरा-प्रवीण देशलहरा, प्रतीक सुराणा-खुशबू बाघमार, किरण देवी संचेती, तनीषा बोथरा सहित कई श्रद्धालुओं की गुप्त तपस्या भी चल रही है।

धार्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

नवकार महामंत्र जाप के पश्चात संत पुनीत मुनि जी महाराज के सान्निध्य में महिलाओं के लिए विशेष धार्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

चरित्र पर संदेह में पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / कुम्हारी-भिलाई

थाना कुम्हारी क्षेत्र में अवैध संबंध के शक में एक युवक ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया।

क्या है पूरा मामला : पुलिस के अनुसार प्रार्थी ईश्वर यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बड़ा भाई घनश्याम यादव, 24 वर्ष, निवासी महामाया पारा, वार्ड 4, कुम्हारी अपनी पत्नी दुर्गा यादव, 24 वर्ष पर चरित्र को लेकर संदेह करता था। 2 अगस्त 2026 को सुबह लगभग 8:15 बजे आरोपी ने घर का दरवाजा अंदर से बंद कर पत्नी पर हंसिया/परसुल से हमला कर दिया। इससे दुर्गा यादव की मौके पर ही मौत हो गई।

तुरंत कार्रवाई, हथियार जप्त : सूचना मिलते ही थाना कुम्हारी पुलिस घटनास्थल पहुंची और आरोपी घनश्याम यादव को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार जप्त किया। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया। प्रकरण में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पुलिस की अपील : दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी पारिवारिक या व्यक्तिगत विवाद में कानून को हाथ में न लें। विवादों का समाधान शांतिपूर्ण और वैधानिक तरीके से करें। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की मदद लें। अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग को धमकाकर लाखों रुपये और जेवर वसूले

बिलासपुर। जिले के सरकंडा थाना क्षेत्र में नाबालिग को डराकर लाखों रुपये और सोने-चांदी के जेवरात वसूलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी आयुष यादव समेत चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर नाबालिग को धमकाकर करीब 14 लाख 50 हजार रुपये नकद और लगभग 450 ग्राम सोने के जेवरात लेने का आरोप है। जानकारी के अनुसार, सरकंडा थाना क्षेत्र में रहने वाले एक बुजुर्ग ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पोती को कुछ युवकों ने डराया-धमकाया और उससे बड़ी रकम वसूली। शिकायत में आरोप लगाया गया कि आरोपियों ने नाबालिग को मानसिक रूप से परेशान कर एटीएम, फोन-पे और अन्य माध्यमों से करीब 14 .50 लाख रुपये हासिल किए। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने घर में रखे करीब 450 ग्राम सोने के जेवरात भी नाबालिग को डराकर ले लिए। इतना ही नहीं, आरोपियों पर परिवार की छोटी पोती को चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकंडा थाना पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ युवक अचानक बड़ी मात्रा में पैसे खर्च कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

अफेयर की अटकलों के बीच शहनाज ने राघव जुयाल पर कही बड़ी बात

इन दिनों राघव जुयाल फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' की वजह से चर्चा में हैं। वहीं शहनाज गिल भी पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय हैं। इन दोनों कलाकारों के बीच इश्क पनप रहा है, ऐसी अटकलें लग रही हैं। हाल ही में अपने रिश्ते को लेकर शहनाज गिल खुलकर बोली हैं। जानिए, उन्होंने राघव को लेकर क्या कहा?

शहनाज गिल ने राघव को बताया अपना सहारा

शहनाज गिल ने अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई बातें साझा की हैं। इस दौरान जब उनसे राघव जुयाल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। मुंबई में मेरा एक ही सहारा है, वो है राघव। वह मुंबई में मेरे लिए मम्मी-पापा की तरह है। अगर मुझे कुछ हो जाता है तो वो ही मुझे हॉस्पिटल लेकर जाएगा।' शहनाज आगे कहती हैं, 'राघव ने ही मुझे एक्टिंग लाइन में आगे जाने के लिए मोटिवेट किया। वैसे आप देख लेना राघव जुयाल एक दिन शाहरुख खान बनेगा।'

राघव ने भी रखा था अपना पक्ष

राघव जुयाल ने भी शहनाज के बारे में बहुत कुछ कहा था। वह कहते हैं, 'देखिए पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी। लेकिन हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूं। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूं और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। यह तो तय है।'

कब उड़ी थी डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था। हाल ही में दोनों राघव की बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे। यहां पर जिस तरह से राघव ने शहनाज का ख्याल रखा, उसे देखकर फैंस को लगा कि इनके बीच जरूर कोई खिचड़ी पक रही है। लेकिन राघव और शहनाज एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।

अच्छे लोगों के साथ काम करो, हार्डी संधू की इस सलाह ने बदला रेवती महुरकर का नजरिया

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं।

रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।'' रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ''सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।''

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ''वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।'' रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

रेवती ने याद करते हुए कहा, ''48 घंटे नॉन-स्टॉप शूट करने के बाद हम सब बहुत थक गए थे, लेकिन जब पैकअप हुआ तो हार्डी ने कहा रुको, अभी नहीं। फिर हार्डी, हमारे कोरियोग्राफर, मेरे मैनेजर और मैं हम चारों ने फैसला किया कि हम थोड़ी देर और साथ बैठेंगे। हमें सुबह मुंबई की फ्लाइट पकड़नी थी, लेकिन उससे पहले तक हम सब साथ रहे। हमने खूब बातें कीं, खाना खाया, म्यूजिक सुना और हंसे। उस रात जो बॉन्ड बना वो आज तक है। ये दिखाता है कि अगर टीम अच्छी हो तो काम बोझ नहीं लगता।' अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर रंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

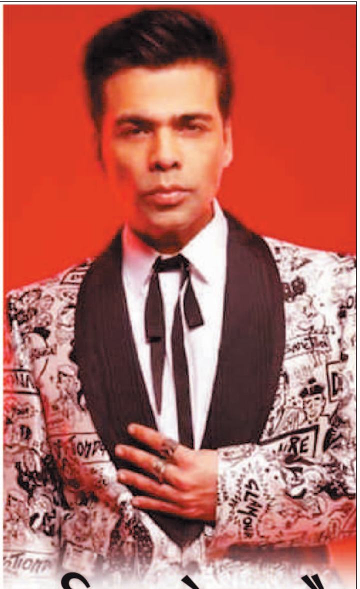

आदित्य चोपड़ा और शाहरुख खान के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'

करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'

करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्जरलैंड की पहाडों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।'

करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी। करण ने लिखा, 'मेरे पिता को भी शाहरुख की बात पर यकीन नहीं था लेकिन शाहरुख खान अपनी बात को लेकर पूरी तरह गंभीर थे। मैं आदित्य और शाहरुख खान से बहुत प्यार करता हूं। आज मैं अपनी खूबियों और कमियों, अपनी खुशियों और मुश्किलों, अपनी जीत और हार के साथ जो भी हूं, वह सिर्फ आप दोनों की वजह से हूं। उन्होंने आगे लिखा, 'आज मैं कहानियां सुना पा रहा हूं, तो इसके पीछे सिर्फ आप दोनों का विश्वास और साथ है। गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं और उन सभी गुरुओं को भी सलाम, जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के दूसरों को आगे बढ़ाया और उनके करियर बनाने में मदद की।'

आमिर-शाहरुख के विज्ञापन से 'महारानी' तक, हुमा कुरैशी ऐसे बनीं बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेस

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। कभी वह दिल्ली में थिएटर करती थीं। उन्होंने शुरुआत विज्ञापनों से की और एक समय ऐसा भी आया, जब वह आमिर खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करने लगीं। यही सफर आगे चलकर उन्हें 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' तक ले आया और फिर 'महारानी' से नई ऊंचाई तक पहुंचा दिया। हुमा का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के गार्गी कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। कॉलेज के दिनों में ही उनका झुकाव एक्टिंग की तरफ बढ़ा और उन्होंने थिएटर ग्रुप 'एक्ट 1' के साथ काम करना शुरू किया। उन्होंने थिएटर के दौरान अभिनय की बारीकियां सीखीं और यहीं से उनके अंदर एक्ट्रेस बनने का सपना मजबूत हुआ। साल 2008 में हुमा सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई पहुंचीं। शुरुआत में उन्हें फिल्मों में काम नहीं मिला, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। इसी दौरान वह कई बड़े ब्रांड्स के विज्ञापनों में नजर आईं। उन्होंने आमिर खान के साथ मोबाइल और शाहरुख खान के साथ एक पेंट ब्रांड के विज्ञापन में काम किया। इन विज्ञापनों ने पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग को लोगों ने नोटिस किया। हुमा की किस्मत तब बदली जब एक विज्ञापन की शूटिंग के दौरान निर्देशक अनुराग कश्यप की नजर उन पर पड़ी। अनुराग कश्यप ने उनकी एक्टिंग देखकर अपनी फिल्म में मौका देने का फैसला किया। इसके बाद साल 2012 में हुमा ने फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उन्होंने मोहसीना हमीद का किरदार निभाया था। छोटे शहर की लड़की के किरदार में हुमा ने ऐसी जान डाली कि दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने उनकी तारीफ की।

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के बाद हुमा के करियर ने तेजी पकड़ ली। उन्हें इस फिल्म के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट फीमेल डेब्यू और बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस कैटेगरी में नामांकन मिला। इसके बाद उन्होंने 'लव शव ते चिकन खुराना', 'एक थी डायन', 'डेढ़ इश्किया', 'बदलापुर' और 'जॉली एलएलबी 2' जैसी फिल्मों में काम किया। हर फिल्म में उन्होंने अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। हुमा ने सिर्फ हिंदी फिल्मों तक खुद को सीमित नहीं रखा। उन्होंने मराठी फिल्म 'हाइवे', तमिल फिल्म 'काला' और 'वलिमाई' जैसे प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। साल 2021 में उन्होंने हॉलीवुड फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' से इंटरनेशनल सिनेमा में भी कदम रखा। अलग-अलग भाषाओं और इंडस्ट्री में काम करके उन्होंने खुद को एक बहुमुखी कलाकार के रूप में साबित किया।

प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार...

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।

स्क्रिप्ट पढ़ते ही प्रीति के किरदार से हो गया था प्यार

महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'

इस किरदार ने मुझे खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया

महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

इंटीमेट सीन से नहीं, डायरेक्टर के नजरिए से फर्क पड़ता है

ओटीटी पर इंटीमेट सीन्स को लेकर चल रही बहस पर भी महिमा अपनी बात बेबाकी से रखती हैं 'मेरे पास ऐसे ऑफर्स आए हैं, जिनमें मैं सहज नहीं थी। लेकिन मैंने हमेशा खुद से पूछा कि क्या यह सीन कहानी के लिए जरूरी है? क्या इससे कहानी आगे बढ़ती है? अगर जवाब हां है, तभी मैं उसका हिस्सा बनना चाहूंगी। मेरे लिए स्क्रिप्ट से ज्यादा जरूरी डायरेक्टर का नजरिया है। हर फैसला आसान नहीं होता, लेकिन वही करना चाहिए, जिसमें आप सहज हों।'

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिला में स्थित मोहतरा गांव के गंगाराम को मिलेगी राष्ट्रीय पहचान

इंसान और मगरमच्छ की अनोखी दोस्ती की कहानी अब एनसीईआरटी की किताबों में पढ़ेंगे बच्चे

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के बावा मोहतरा गांव में इंसान और मगरमच्छ के बीच बनी अनोखी दोस्ती की कहानी अब देशभर के स्कूली बच्चों तक पहुंचेगी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने गांव के प्रसिद्ध मगरमच्छ गंगाराम की कहानी को अपने नए शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल किया है। करीब तीन दशकों तक गांव के तालाब में ग्रामीणों और मवेशियों के साथ शांतिपूर्वक रहने वाले गंगाराम की यह कहानी बच्चों को सह-अस्तित्व, पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता और जीव-दया का संदेश देगी।

गांव का सम्मानित सदस्य बन चुका था गंगाराम

बेमेतरा जिले का छोटा सा गांव बावा मोहतरा लंबे समय तक इस अद्भुत रिश्ते का साक्षी रहा। गांव के मुख्य तालाब में रहने वाला गंगाराम केवल एक जंगली मगरमच्छ नहीं, बल्कि ग्रामीणों के जीवन का हिस्सा बन चुका था। ग्रामीण उसी तालाब में नहाते थे, पीने का पानी भरते थे, कपड़े और ट्रैक्टर धोते थे तथा मवेशियों को पानी पिलाने लाते थे। गांव के बच्चे घंटों तालाब में तैरते रहते थे, लेकिन गंगाराम ने कभी किसी बच्चे, ग्रामीण या पशु पर हमला नहीं किया। ग्रामीणों का कहना था कि गंगाराम इंसानों की मौजूदगी का आदी हो चुका था और लोग उसे अपने हाथों से भोजन भी खिलाते थे। यह विश्वास और अपनापन वर्षों तक कायम रहा।

2019 में हुई थी गंगाराम की मौत

गंगाराम की मृत्यु साल 2019 में हुई थी। उसकी मौत के बाद गांव में शोक का माहौल छा गया था। ग्रामीणों ने उसकी शव यात्रा निकाली, अंतिम संस्कार जैसा सम्मान दिया और उस दिन कई घरों में चूल्हा तक नहीं जला। यह घटना बताती है कि गांव के लोगों के लिए गंगाराम केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य जैसा था।

विशेषज्ञों ने बताया शांत व्यवहार का कारण

सामान्यतः मगरमच्छों को आक्रामक और खतरनाक शिकारी माना जाता है, लेकिन वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार गंगाराम का व्यवहार अलग था। उनका मानना है कि बचपन से इंसानों की लगातार मौजूदगी, कभी खतरा महसूस न होना और नियमित भोजन मिलने के कारण उसमें अनुकूलन (अस्र्िइ३ड्डह्ल) की प्रक्रिया विकसित हुई। विशेषज्ञों के अनुसार जब किसी जंगली जीव को लंबे समय तक सुरक्षित और शांत वातावरण मिलता है, तो उसकी स्वाभाविक आक्रामकता का स्तर कम हो सकता है। ग्रामीणों ने न तो उसे नुकसान पहुंचाया और न ही उसे उकसाया, जिससे उसके भीतर सुरक्षा और विश्वास का भाव बना रहा।

बच्चों को मिलेगा प्रकृति से जुड़ने का संदेश

एनसीईआरटी द्वारा इस कहानी को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना केवल एक स्थानीय घटना को राष्ट्रीय पहचान देना नहीं है, बल्कि यह बच्चों को यह समझाने का प्रयास भी है कि मनुष्य और वन्यजीवों के बीच संतुलित सह-अस्तित्व संभव है। शिक्षाविदों का मानना है कि गंगाराम की कहानी बच्चों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, जैव विविधता के संरक्षण और वन्यजीवों के साथ जिम्मेदार व्यवहार की भावना विकसित करने में मदद करेगी।

छग के लिए गौरव का विषय

बावा मोहतरा गांव की यह कहानी पहले ही देशभर में चर्चा का विषय बन चुकी थी, लेकिन अब एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में शामिल होने के बाद गंगाराम को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। ग्रामीणों ने इसे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय बताया है और उम्मीद जताई है कि यह कहानी आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति के साथ प्रेम और सह-अस्तित्व का महत्वपूर्ण संदेश देती रहेगी।

खास खबर

कलेक्टर वर्मा ने बूढ़ा महादेव से रायपुर मार्ग के विभिन्न ग्रामों में कावड़ियों के लिए बनाए जा रहे विश्राम स्थलों का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

विश्राम स्थल, पेयजल, शौचालय, कांवड़ स्टैंड सहित सभी मूलभूत सुविधाएं समय पर सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सावन माह में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए बेमेतरा सहित प्रदेश के अन्य जिलों से जल लेकर आने वाले कांवड़ियों की सुविधा, सुरक्षा और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। इसी क्रम में कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर से लेकर रायपुर मार्ग स्थित रानीसागर, बिरकोना और दशरंगपुर में बनाए गए विश्राम स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने तथा किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने देने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चंद्रवंशी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने बूढ़ा महादेव मंदिर परिसर के समीप निर्माणाधीन डोम का अवलोकन किया और कांवड़ियों के लिए बेहतर विश्राम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने रानीसागर में बनाए गए कांवड़ स्टैंड का निरीक्षण किया तथा बिरकोना के पंचायत भवन में कांवड़ियों के ठहरने की व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं के लिए पृथक शौचालय, स्वच्छ पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने दशरंगपुर स्थित विश्राम स्थल का निरीक्षण कर वहां भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने कहा कि कबीरधाम जिले के साथ-साथ बेमेतरा एवं अन्य जिलों से आने वाले कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के लिए विश्राम, पेयजल तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है, ताकि पदयात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक एवं धार्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र भोरमदेव मंदिर और पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर, कवर्धा में सावन माह के दौरान कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं द्वारा पदयात्रा कर भगवान शिव का जलाभिषेक करने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। इस दौरान कबीरधाम सहित बेमेतरा एवं अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा यात्रा मार्ग के प्रमुख पड़ावों पर विश्राम, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि सभी श्रद्धालु सुरक्षित और सुगम वातावरण में अपनी यात्रा पूर्ण कर सकें।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 7 अगस्त तक बढ़ी

कवर्धा। जिले के समस्त शासकीय, अशासकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा ;खठशरळ-2027 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 अगस्त 2026 कर दी गई है। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, ओड़ियाकला के प्राचार्य ने बताया कि जिन अभिभावकों ने अभी तक अपने पाल्य का आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है, वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट https://navodaya.gov.in/nvsgov.html पर जाकर ऑनलाइन आवेदन अवश्य करें। प्राचार्य ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करें, ताकि पात्र विद्यार्थी जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त कर सकें।

चिकित्सा सेवा : मानवीय संवेदनशीलता सर्वोपरि हर जरूरतमंद को मिले त्वरित इलाज : अरुण साव

कर्मचारियों की सेवा निरंतरता और मानदेय विसंगति पर भी हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने कहा कि चिकित्सा सेवा केवल उपचार का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनशीलता का सबसे बड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर का व्यवहार ही आधा इलाज होता है। अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज, विशेषकर गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार और आवश्यक सहायता मिलना शासन की सवोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी मरीज को इलाज के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े तथा सभी स्वास्थ्य सेवाएं सहज और प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जाएं।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जीवनदीप समिति की बैठक में उप मुख्यमंत्री ने जिले की स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पतालों में उपलब्ध संसाधनों, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं तथा आर्थिक सहायता से जुड़े विभिन्न प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की।

बैठक में जिला चिकित्सालय एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर अनुमोदन प्रदान किया गया। अस्पतालों की विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए नवीन विद्युत केबल क्रय, अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखने एवं जहरीले जीव-जंतुओं से सुरक्षा के लिए नियमित पेस्ट कंट्रोल, डायलिसिस यूनिट हेतु जनरेटर की खरीदी तथा जिला अस्पताल में स्थापित सोलर सिस्टम की बैटरियां बदलने के प्रस्ताव स्वीकृत किए गए।

इसके अलावा जिला चिकित्सालय में ईएनटी, ऑपरेशन थिएटर एवं सामान्य शल्य चिकित्सा के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरणों की खरीदी तथा मानसिक रोग विभाग में आवश्यकता अनुसार स्थानीय स्तर पर दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक व्यय को

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

मंजूरी दी गई। बैठक में जीवनदीप समिति के अंतर्गत कार्यरत 41 कर्मचारियों की सेवाओं को वित्तीय वर्ष 2026-27 में निरंतर बनाए रखने के लिए सेवा वृद्धि की कार्रवाई तथा समान पदों पर कार्यरत कमर्चारियों के मानदेय में व्याप्त विसंगतियों के निराकरण पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

गरीब मरीजों को तत्काल सहायता देने के निर्देश

उप मुख्यमंत्री साव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गरीब मरीजों को इलाज के लिए आर्थिक सहायता से जुड़े प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कमिर्यो से मरीजों के प्रति संवेदनशील, सम्मानजनक और मानवीय व्यवहार अपनाने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना सहित शासन की सभी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाई जाए, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। साथ ही अस्पतालों में दवाइयों, चिकित्सकीय उपकरणों एवं आवश्यक स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की स्पष्ट मंशा है कि कोई भी व्यक्ति इलाज के अभाव में परेशान न हो। जीवनदीप समिति के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को समय पर सहायता उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में लगातार सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल, विधायक बेमेतरा दीपेश साहू, विधायक साजा ईश्वर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी, नगर पालिका परिषद बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं, पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल, सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू सहित जीवनदीप समिति के सदस्य एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने जिला न्यायालय का विस्तृत निरीक्षण और न्यायिक अधोसंरचना का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा द्वारा जिला न्यायालय राजनांदगांव का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ता संघ के सदस्यों तथा न्यायालयीन कर्मचारियों से संवाद किया।

अपने प्रवास के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने जिला न्यायालय परिसर स्थित विभिन्न न्यायालय कक्षों, सेंट्रल प्रोसेस अनुभाग, सर्वर, लीगल एंड डिफेंस सिस्टम, अभिलेखागार, मालखाना, लेखा अनुभाग, ग्रंथालय, डिजिटलीकरण एवं स्कैनिंग केन्द्र, पीड़िता विश्राम कक्ष, किलकारी कक्ष सहित विभिन्न अनुभागों का सघन अवलोकन कर वहां उपलब्ध आधारभूत अधोसंरचना का जायजा लिया। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायालयीन कार्यो में कार्यक्षमता, जवाबदेही, पत्रावलियों के रखरखाव और परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पेपरलेस कार्यप्रणाली व आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल देते हुए न्यायिक व्यवस्था को नागरिक केंद्रित बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

उल्लेखनीय है कि मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कहा कि जुडिशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और न्याय प्रणाली में नई तकनीकी को शामिल करने के हमेशा से पक्षधर रहे हैं। पदभार संभालने के बाद से ही वे लगातार प्रदेश के दूरस्थ व जिला न्यायालयों का दौरा कर जमीनी हकीकतों का जायजा ले रहे हैं। उनके इसी विजन के कारण आज राज्य में अदालतों के आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण को एक नई गति मिली है, जिससे न्याय व्यवस्था अधिक नागरिक केंद्रित हो रही है। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायालय परिसर राजनांदगांव में मौलश्री पौधा का रोपण भी किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल, ज्वाइंट रजिस्ट्रार-कम-प्रिंसिपल प्राइवेट सेक्रेटरी, प्रोटोकॉल अधिकारी, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजनांदगांव, जिले के समस्त न्यायिक अधिकारीगण, जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण, जिला कलेक्टर, लोक निर्माण विभाग एवं पुलिस अधीक्षक तथा न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

न्याय श्रुति प्लेटफॉर्म के प्रशिक्षण में शामिल हुए एसपी त्रिलोक बंसल

डिजिटल न्याय व्यवस्था के उपयोग पर दिया गया जोर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार राज्य में न्याय श्रुति प्लेटफॉर्म के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से आज 01 अगस्त 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव सहित जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं थाना-चौकी के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

प्रशिक्षण का आयोजन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया, जिसमें एनआईसी, नई दिल्ली द्वारा न्यायालयों के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारियों तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को न्याय श्रुति प्लेटफॉर्म के संचालन एवं उपयोग संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान न्याय श्रुति को सीएएस छत्तीसगढ़ एवं सीसीटीएनएस के साथ एकीकृत करने के लिए उत्पादन-स्तर एकीकरण परीक्षण की भी जानकारी दी गई।

पुलिस कार्यालय बेमेतरा के सभाकक्ष में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में एसपी त्रिलोक बंसल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का, एसडीओपी बेरला श्रीमती रूचि वर्मा सहित जिले के सभी थाना-चौकी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि न्याय श्रुति एक आधुनिक डिजिटल व्यवस्था है, जो न्यायालयीन कार्यवाही एवं गवाही के लिए सुरक्षित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

सुविधा उपलब्ध कराती है। इसके माध्यम से गवाह, पुलिस अधिकारी, चिकित्सक तथा वैज्ञानिक विशेषज्ञ दूरस्थ स्थान से ही सुरक्षित तरीके से अपनी गवाही दर्ज करा सकेंगे। इससे कैदियों एवं गवाहों को बार-बार न्यायालय लाने-ले जाने की आवश्यकता कम होगी, समय और संसाधनों की बचत होगी तथा न्यायालयों में लंबित मामलों के त्वरित निराकरण में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान नए आपराधिक कानूनों तथा ICJS-CCTNS से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षण में निरीक्षक चंद्रदेव वर्मा, दुलेश्वर चंद्रवंशी, सत्य प्रकाश उपाध्याय, उप निरीक्षक योगेश अग्रवाल, राजकुमार साहू, प्रशिक्षु उप निरीक्षकगण, सहायक उप निरीक्षक मोहन साहू, प्रधान आरक्षक मोहित चेलक, गोपाल ध्रुव तथा आरक्षक देवेन्द्र सिन्हा, मनीष देवांगन सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जानकारी — घर और आसपास स्वच्छता बनाए रखने, कूलर व पानी संग्रहित करने वाले पात्रों की नियमित करें सफाई

मौसमी बीमारियों से निपटने तैयार स्वास्थ्य विभाग, मलेरिया-डेंगू की रोकथाम के लिए पुख्ता इंतजाम

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में वर्षा ऋतु में मलेरिया, डेंगू एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में मलेरिया, डेंगू एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए नागरिकों से अपने घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने, कहीं भी पानी जमा न होने देने, कूलर एवं पानी संग्रहित करने वाले पात्रों की नियमित सफाई करने, मच्छरदानी का नियमित उपयोग करने तथा मलेरिया या डेंगू के लक्षण जैसे बुखार आने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की अपील की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए है तथा स्वास्थ्य कर्मियों को सतत निगरानी, डेंगू संदिग्ध मरीजों की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन तथा त्वरित कार्रवाई करने कहा गया है। जिले में लगातार फीवर सर्वे, स्वास्थ्य शिविर, मलेरिया एवं डेंगू की जांच, तथा शीघ्र उपचार की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जिससे संभावित मरीजों की समय पर पहचान कर उपचार सुनिश्चित किया जा सके। जनजागरूकता के लिए जिले में आईईसी एवं बीसीसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को घर एवं आसपास पानी जमा न होने देने, कूलर, टंकी, गमलों एवं अनुपयोगी पात्रों का पानी नियमित रूप से खाली करने, मच्छरदानी का उपयोग करने तथा बुखार होने पर तत्काल जांच कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। मच्छरों की उत्पत्ति रोकने के लिए सोर्स रिडक्शन गतिविधियों को प्राथमिकता दी जा रही है। रूके हुए जल स्रोतों में गम्बूसिया मछलियों का छोड़ा जा रहा है। सभी सीएचसी, पीएचसी एवं एसएचसी में लार्वीसाइड उपलब्ध कराकर उसका उपयोग कराया जा रहा है। रूके हुए जल स्रोतों में गम्बूसिया मछलियों का संवर्धन एवं विसर्जन किया जा रहा है तथा आवश्यकतानुसार लार्वीसाइड का उपयोग किया जा रहा है। जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में लार्वीसाइड उपलब्ध कराया गया है।

नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्रों में नियमित मैपिंग के आधार पर फॉगिंग कार्य कराया जा रहा है। जिससे मच्छरों की संख्या को नियंत्रित किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम के समन्वय से संवेदनशील क्षेत्रों में संयुक्त रूप से मलेरिया एवं डेंगू नियंत्रण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जागरूकता अभियान अंतर्गत जिले के विद्यालयों में नारा लेखन, भाषण, चित्रकला, रंगोली एवं अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को मलेरिया, डेंगू एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों से बचाव की जानकारी दी जा रही है, ताकि विद्यार्थी अपने परिवार एवं समाज को भी जागरूक कर सकें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि वर्ष 2025 में जिले में 25 स्वदेशी मलेरिया के मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2026 में अब तक 15 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं, जो स्थानीय संक्रमण में कमी का सकारात्मक संकेत है। हालांकि इस वर्ष प्रवासी आबादी में मलेरिया के मामलों की अधिकता देखी गई है, जिसके मद्देनज ? प्रवासी श्रमिकों एवं उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी, जांच एवं उपचार की व्यवस्था की गई है।

भोरमदेव सावन पदयात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने कलेक्टर वर्मा ने की अपील

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

पवित्र श्रावण माह में आयोजित होने वाली विश्व प्रसिद्ध भोरमदेव सावन पदयात्रा एवं मेले में इस वर्ष लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला स्वच्छ भारत मिशन गोपाल वर्मा ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के तहत सभी दुकानदारों, शिविर संचालकों एवं श्रद्धालुओं से यात्रा मार्ग और भोरमदेव धाम को पूर्णतः प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ बनाए रखने की अपील की है।

श्री वर्मा ने दुकानदारों से कपड़े या जूट के थैले, कुल्हड़ तथा स्टील के बतर्नों का उपयोग करने का आग्रह किया गया है। उन्होंने श्रद्धालुओं से भी अपील करते हुए कहा कि वे घर से कपड़े का थैला, पुनः उपयोग योग्य पानी की बोतल तथा प्रसाद रखने के लिए डिब्बा साथ लेकर आएं। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार का कचरा सड़क, जंगल अथवा नदी-नालों में न फेंकें और केवल निर्धारित कचरा पात्रों का ही उपयोग करें।

जिला पंचायत के मुख्य कायर्पालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि सावन पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से प्लास्टिक कचरे की समस्या बढ़ जाती है। उन्होंने दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करने की अपील करते हुए कहा कि प्लास्टिक कचरा पर्यावरण के साथ-साथ वन्य जीवों के लिए भी गंभीर खतरा बनता है।

मंत्री गजेन्द्र यादव व सांसद विजय बघेल ने की पदाधिकारियों की समर्पण भाव की सराहना

पदमनाभपुर मिनी स्टेडियम में गणेश उत्सव के लिए भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

पदमनाभपुर मिनी स्टेडियम में इस वर्ष भी गणेश उत्सव पर भव्य आयोजन होगा। इसे लेकर श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति द्वारा रविवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव और दुर्ग सांसद विजय बघेल ने संयुक्त रूप से उत्सव स्थल में मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन कर तैयारियों का श्री गणेश किया और समिति के पदाधिकारियों को गणेश उत्सव के दूसरे वर्ष भी भव्य व सफल आयोजन की बधाई देकर उनका हौसला बढ़ाया।

भूमिपूजन के अवसर पर सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी विश्वास चंद्राकर, नगर निगम एमआईसी सदस्य नीलेश अग्रवाल, वार्ड पार्षद संजय अग्रवाल, लीलाधर पाल एवं अन्य जनप्रतिनिधि विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष पदमनाभपुर मिनी स्टेडियम में रामेश्वरम तीर्थ की भव्य झांकी वाले पंडाल में गणपति बप्पा विराजेंगे। गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को है। जिसके लिए अभी करीब सवा महीने शेष हैं। श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति ने अपने भव्य आयोजन से जिले में श्रद्धालुओं के बीच विशेष पहचान बनाई है। जिसके चलते भूमिपूजन उपरांत भव्य पंडाल निर्माण एवं अन्य व्यवस्थाओं की विधिवत तैयारी शुरू कर दी गई है।

श्री श्रीवास्तव ने बताया कि यह गणेश उत्सव का दूसरा वर्ष है। इस वर्ष पद्मनाभपुर स्थित मिनी स्टेडियम में भगवान श्री गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापना एवं रामेश्वरम तीर्थ की मनमोहक झांकी पर आधारित आकर्षक पंडाल तैयार करवाए जा रहे हैं। इसके अलावा धनुषकोटी का दिव्य दृश्य, रामसेतू का जीवंत निर्माण, श्रीलंका द्वीप का प्रतीकात्मक स्वरुप, रामेश्वरम के 22 तीथर्कुंड के दर्शन, अग्नि तीर्थम का निर्माण, विश्व प्रसिद्ध 1008 स्तंभ वाले मंदिर परिसर का भव्य प्रतिरुप की झांकिया श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र होगी, वहीं यूनेस्को विश्व धरोहर की अवधारणा से प्रेरित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भगवान शिव की भस्म आरती, नशा मुक्ति हेतु जन जागरण चलचित्र का आयोजन और स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश गणेश उत्सव में दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का निर्माण इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध आंधी गांव के कुशल मूतिर्कारों द्वारा किया जा रहा है। भूमिपूजन के अवसर पर श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष

संजीव श्रीवास्तव, रत्नाकर राव, राजेश शर्मा, राजेंद्र सिंह भाटिया, पवन चंद्राकर, संतोष खिरोड़कर, चंचल सेठिया, श्री साई मंदिर समिति अध्यक्ष धनेंद्र सिंह चंदेल, सचिव धीरेंद्र शर्मा, बंटी भाटिया, प्रदीप चौहान, नवीन चौधरी, विनय गुप्ता, सोनू हजारे, पवन साहू, नीरज तिवारी, करण तिवारी, सुश्री नेहा जैन, सजल जैन निकेश साहू, विकास गुप्ता, श्रीमती लता नवघरे, तुषार चंद्राकर, अंकित तिवारी, सतीश सोनवानी, आशीष नसीने, हितेश देशमुख, राहुल चक्रवर्ती, गोपाल शर्मा, मो. फराज, शशि सिंह, गोपाल यादव, अक्षत श्रीवास्तव, मोनू पांडे, ऋषि आसेटकर, दीपक जैन, जितेंद्र पात्रे, सिराज अली, श्रीमती अनु चंद्राकर, नागेन्द्र तिवारी, पीयूष चन्द्राकर, श्रीमती यशोदा चंद्राकर, रविन श्रीवास्तव, धर्मेंद्र चंद्राकर, सुभाष तांडी, राहुल मियानी, भूपेंद्र सिंह, हरीश जमानी, अदिति खारिया के अलावा समिति के अन्य सदस्य और सामाजिक एवं धार्मिक संगठन के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उपसरपंच की लुटेरों ने की हत्या

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के जेवरा सिरसा थाना क्षेत्र में रविवार की रात ग्राम तुमाकला के उपसरपंच प्रकाश सिंह कश्यप की बदमाशों ने चाकू गोदकर हत्या कर दी। वे देर रात अपने साथी के साथ वापस गांव लौट रहे थे। दौरान करहीडीह चौक के पास अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोककर लूट की कोशिश की। विरोध करने पर प्रकाश सिंह कश्यप पर बदमाशों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार घटना जेवरा सिरसा थाना क्षेत्र के करहीडीह से चिखली चौक के बीच की है। बताया जा रहा है कि ग्राम तुमाकला के उपसरपंच प्रकाश सिंह कश्यप रविवार रात भिलाई से अपने गांव लौट रहे थे। उनके साथ एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था। इसी दौरान एक बाइक पर सवार चार बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने प्रकाश सिंह कश्यप से मोबाइल फोन और नकदी छीनने की कोशिश की। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने अपने पास रखे चाकू से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में उपसरपंच की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के दौरान उनके साथ मौजूद व्यक्ति किसी तरह वहां से भाग निकला और पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना के बाद अज्ञात बदमाश उप सरपंच का मोबाइल फोन और करीब 4 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की गई। मृतक प्रकाश सिंह कश्यप धमधा ब्लॉक के ग्राम तुमाकला के उपसरपंच थे। उनकी पत्नी देवती बाई कश्यप वर्तमान में इसी गांव की सरपंच हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। जेवरा सिरसा चौकी प्रभारी समित मिश्रा ने बताया कि शुरुआती जांच में लूट के दौरान हत्या की बात सामने आई है। पुलिस आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

हाईटेंशन टावर के पाट्र्स चोरी का खुलासा, 5 आरोपी हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हाईटेंशन टावर के पाट्र्स चोरी के मामले में उतई पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी गई संपत्ति बरामद करने के साथ ही घटना में प्रयुक्त वाहन क्रमांक CG 07 DF 2224 जब्त कर लिया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर केंद्रीय जेल दुर्ग भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को नितीश कुमार सिन्हा, निवासी ग्राम गुरेदा, थाना गुण्डरदेही द्वारा थाना उतई में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह अभियंत्री इंटरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड में साइट इंचार्ज के पद पर कार्यरत है। कंपनी का अस्थायी स्टोर रमेश कॉम्प्लेक्स के पास डुमरडीह से डुण्डेरा रोड स्थित ग्राम डुण्डेरा में संचालित है, जहां हाईटेंशन टावर निर्माण कार्य के लिए सामग्री रखी गई थी।

29 जुलाई 2026 की रात्रि में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा स्टोर से हाईटेंशन टावर के पाट्र्स (ब्रसिंग एंगल एवं ज्वाइंट हैंगर फिटिंग सामग्री) चोरी कर लिए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 35,000 थी। रिपोर्ट पर थाना उतई में धारा 303(2), 3(5), 317(2) भारतीय न्याय संहिता (इठर) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण, तकनीकी साक्ष्यों का संकलन एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदेहियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100